RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:248। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (गुरुवार) 30 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

आदित्य ठाकरे का बंगाल चुनावों पर तीखा हमला, लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर उठाए सवाल

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े किए। ठाकरे ने लोगों से अपील की कि वे एक पल रुककर निष्पक्ष और गैर-राजनीतिक ढंग से सोचें कि बंगाल में जो कुछ हो रहा है, क्या वह सही है।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बंगाल का गौरव इस समय चुनाव जीतने की लालच भरी ताकत के सामने चुनौती बनकर खड़ा है। उनका आरोप है कि राज्य के नागरिकों को परेशान किया गया और लाखों लोगों को उनके मताधिकार से वंचित किया गया। ठाकरे ने कहा कि यह सब उस देश में हो रहा है, जो कभी खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहने पर गर्व करता था। चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए उन्होंने इसे पक्षपातपूर्ण करार दिया। ठाकरे के मुताबिक, बंगालियों को डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें दबाव में रखकर एक विशेष राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर मतदाताओं के बीच भय का माहौल बनाया गया।

बंगाल में सेकेंड फेज में 92 फीसदी वोटिंग

• जो देश में कभी नहीं हुआ वो बंगाल में हुआ, टूटे बंपर वोटिंग के सारे रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बुधवार (29 अप्रैल) को दूसरे चरण का मतदान भी पूरा हो गया। इसी के साथ अब बंगाल के दोनों चरणों में कुल 92.52 फीसदी मतदान दर्ज कर लिया गया है। आंकड़ों को उठाकर देखा जाए तो बंगाल में कभी भी 84.72 फीसदी से ज्यादा वोटिंग नहीं हुई। यानी इस बार पश्चिम बंगाल में मतदान का एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। इतना ही नहीं, बंगाल में हुई वोटिंग देशभर में किसी भी राज्य में हुई वोटिंग के रिकॉर्ड से ज्यादा हो गई है।

अब तक यह रिकॉर्ड त्रिपुरा के पास था, जहां 2013 में 91.82 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई थी। मजेदार बात यह है कि बंगाल में इससे पहले 80 फीसदी से ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा 1996 और 2006 में पहुंचा था। ममता बनर्जी के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में वोटिंग का आंकड़ा भी लगातार 80 फीसदी के ऊपर बना रहा, लेकिन मतदान का रिकॉर्ड नहीं टूटा।

टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों के लिये बुधवार को हुए मतदान के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजामों के बावजूद कई स्थानों से हिंसा और गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई। मतदान शुरू होने से पहले नदिया जिले के चापड़ा विधानसभा क्षेत्र में बूथ संख्या 53 पर जाने के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एजेंट मुर्शरफ मीर पर हमला किया गया। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने एजेंट को बुरी तरह पीटा और उनका सिर फोड़ दिया। कोलकाता की हाई प्रोफाइल सीट भवानीपुर में सुरक्षा बलों ने तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी और निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी को उस वक्त चेतावनी दी जब वे मतदान केंद्र के पास कुछ लोगों के साथ बैठे थे। उधर, इसी विधानसभा क्षेत्र के कालीघाट में शुभेंदु अधिकारी बूथों का दौरा करने पहुंचे, तब वहां मौजूद तृणमूल कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें घेरकर 'चोर-चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके जवाब में भाजपा समर्थकों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाए। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी से कालीघाट रोड और हरीश मुखर्जी रोड के मोड़ पर माहौल गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख शुभेंदु अधिकारी ने वहीं से चुनाव आयोग को शिकायत की और फोन कर केंद्रीय बल बुलाने की बात कही। कुछ ही मिनटों में बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंच गए। हालात को काबू में करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

10वीं की परीक्षा में लड़कियों ने फिर दिखाया दम

96.26 प्रतिशत के साथ लड़कों से रहीं आगे

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई तेलंगाना) ने बुधवार को माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (एसएससी)-कक्षा 10वीं की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। घोषित नतीजों के आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष रेगुलर उम्मीदवारों का उत्तीर्णता प्रतिशत 95.15 रहा, जो कि पिछले साल की

तुलना में बेहतर है। पिछले साल 10वीं की परीक्षा में 92.78 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए थे। बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (बीएसई) के अनुसार, मार्च-अप्रैल में आयोजित हुई परीक्षाओं में कुल 5,16,815 रेगुलर छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 4,91,774 छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। रेगुलर लड़कों का पासिंग प्रतिशत 94.07 है, जबकि लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.26 दर्ज किया गया है। पिछले साल रेगुलर लड़कों का उत्तीर्णता प्रतिशत 91.32 था, जबकि लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत 94.26 था।

सरकार के सलाहकार डॉ. के केशवा राव ने बुधवार को शिक्षा सचिव योगिता राणा और स्कूल शिक्षा निदेशक ई नवीन निकोलस की मौजूदगी में नतीजे जारी किए। जिलों में, मुलुगु 99.30 फीसदी पास प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर रहा। नागरकुरनूल दूसरे और निर्मल तीसरे स्थान पर रहा, जिनका पास प्रतिशत 99.03 और 98.96 रहा।

आसाराम को हाईकोर्ट से मिली राहत, अंतरिम जमानत 25 मई तक बढ़ी

एजेंसी

जोधपुर। यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने मेडिकल आधार पर आसाराम की अंतरिम जमानत 25 मई तक अथवा अपील पर अंतिम निर्णय आने तक बढ़ाने का आदेश दिया। आसाराम ने बढ़ती उम्र, गंभीर बीमारियों और लंबे समय से चल रहे उपचार का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने की मांग की थी। यह याचिका कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की खंडपीठ के समक्ष पेश की गई। आसाराम के पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत और अधिवक्ता यशपाल सिंह राजपुरोहित ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट में कहा कि आसाराम वर्ष 2013 से जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं और 2018 में दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद गत वर्ष भी तीन बार अंतरिम जमानत बढ़ाई जा चुकी है। वर्तमान में आसाराम 29 अक्टूबर 2025 से अंतरिम जमानत पर बाहर रहकर इलाज करवा रहे हैं। वकीलों ने तर्क दिया कि यदि जमानत अवधि आगे नहीं बढ़ाई तो उपचार अधूरा रह जाएगा। उसे पुनः जेल में सरेंडर करना पड़ेगा। यह भी बताया कि सजा के खिलाफ दायर अपील पर 20 अप्रैल 2026 को सुनवाई पूरी हो चुकी है। अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

भवानीपुर में रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान हुआ: सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि इस सीट पर रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान हुआ है। सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में 90 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले हैं। यह एक रिकॉर्ड है। 2021 में, यहां मतदाताओं की भागीदारी 82 प्रतिशत थी, 2024 में, यह 78 प्रतिशत थी। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि 4-5 पुरुषों ने बुर्का पहनकर वार्ड 77 के कुछ बूथों पर फर्जी वोट डाले। जब मैंने बांग्लादेशी मुसलमानों को बूथ पर कब्जा करने से रोका तो उन्होंने मेरे सामने 'जय बांग्ला' के नारे लगाए और भाग गए। उन्होंने कहा कि भवानीपुर के कुछ बूथों पर मतदाता कतार में खड़े थे, लेकिन पर्ची वितरण पूरा होने के बाद शाम 6 बजे प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया है। हमारे कंट्रोल रूम और बैक ऑफिस से हमें जानकारी मिली है कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में 90 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया है, जो भवानीपुर विधानसभा के गठन के बाद से एक रिकॉर्ड है।

जिनालयों पर 'जगत' गिरोह का हमला: आस्था के केंद्र या फिरौती के अड्डे ?

जैन समाज को डराने वाले 'हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट' का काला चिट्ठा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। अहिंसा और परोपकार का संदेश देने वाला जैन समाज आज उन 'दीमकों' के निशाने पर है जो धर्म की आड़ में अधर्म का धंधा चला रहे हैं। जो समाज अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा जिनालयों और जनकल्याण के लिए दान कर देता है, उसी समाज की आस्था को अब बंधक बनाने की साजिश रची जा रही है। महानगर मेट्रो आज पर्दाफाश कर रहा है उस गिरोह का, जिसका काम भक्ति नहीं, बल्कि 'भय' बेचकर करोड़ों की फिरौती वसूलना है।

मुख्य खबर: आस्था के रक्षक या फिरौती के भक्षक?

सूत्रों और हालिया घटनाओं के अनुसार, गुजरात में एक ऐसा आपराधिक गिरोह सक्रिय है जो जैन संघों और जिनालयों के निर्माण को अपना 'सॉफ्ट टारगेट' बनाता है। इनका काम करने का तरीका (Modus Operandi) रूह कंपा देने वाला है:

1.अवरोध पैदा करना: जहां भी भव्य जिनालय का निर्माण होता है, यह गिरोह अवैध निर्माण के नाम पर शिकायतें दर्ज कराता है।

2.हनीट्रैप का जाल: समाज के प्रतिष्ठित लोगों को फंसाने के लिए कथित तौर पर हनीट्रैप गिरोह का सहारा लिया जाता है।

3.फिरौती का खेल: शिकायतों को वापस लेने और बदनामी न करने के बदले करोड़ों रुपये की 'सेटलमेंट' डिमांड की जाती है।

कौन है इस काले साम्राज्य का 'सरगना'?

इस गिरोह के तार सीधे तौर पर अहमदाबाद में बैठे जगत पारेख से जुड़ते नजर आ रहे हैं। जगत पारेख, जिसकी मानसिकता पूरी तरह आपराधिक है और जिस पर पहले से ही कई पुलिस केस दर्ज हैं, इस पूरे सिंडिकेट का संचालन कर रहा है। इसके साथ हार्दिक हुडिया और विक्रम बाफना जैसे चेहरे जुड़े हैं, जो धर्म की आड़ में डकैती का काम कर रहे हैं। सूरत के वसु जैन जिनालय में भी इन्होंने यही दांव खेला था, लेकिन जैन समाज की एकजुटता ने इनके मंसूबों को धूल चटा दी।

महानगर मेट्रो के 'घातक' सवाल:

जगत पारेख और उसकी टोली से सवाल: क्या भगवान महावीर के शासन में 'फिरौती' का धंधा चलेगा? क्या समाज का दान अब तुम जैसे अपराधियों की जेब में जाएगा?

पुलिस और सरकार से सवाल: एक घोषित अपराधी खुलेआम धार्मिक संस्थाओं को निशाना बना रहा है, फिर भी प्रशासन की चुप्पी का मतलब क्या है? क्या किसी बड़े कांड का इंतजार किया जा रहा है?

जैन समाज से अपील: कब तक डरकर इन अपराधियों को फिरौती देते रहेंगे? क्या हमारी एकजुटता इन गुंडों से कमजोर है?

संपादकीय टिप्पणी: महावीर का न्याय और समाज का आक्रोश

भगवान महावीर ने 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया था, लेकिन इन राक्षसी प्रवृत्ति वाले लोगों ने 'लूटो और डराओ' को अपना मंत्र बना लिया है। याद रहे, आस्था के केंद्र को अपवित्र करने वालों को ईश्वर का श्राप और कानून की सलाखें, दोनों का सामना करना पड़ेगा। इस गिरोह का काला चिट्ठा खुल चुका है और अब इनके अंत की शुरुआत है।

सरकार और गृह विभाग को सीधा संदेश!

महानगर मेट्रो मांग करता है कि जगत पारेख और उसके सहयोगियों के खिलाफ 'गुंडा एक्ट' के तहत कार्रवाई की जाए। धार्मिक स्थलों के निर्माण में बाधा डालकर फिरौती मांगने वाले इन तत्वों का सामाजिक बहिष्कार अनिवार्य है।

संदेश: यह खबर केवल जानकारी नहीं, एक चेतावनी है। जैन समाज की चुप्पी को कमजोरी न समझें। महानगर मेट्रो इस गिरोह के हर एक मोहरे का पर्दाफाश करना जारी रखेगा।

— पवन माकन
(फाउंडिंग ग्रुप एडिटर)

राजस्थान में गर्मी के चलते ट्रेन के ब्रेक में आग: एमपी में कूलर के साथ निकाली बारात

यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश, बिहार में भी यही हाल

एजेंसी

गंगटोक । देश के कई शहर हीटवेव की चपेट में हैं। ज्यादातर हिस्सों में तापमान 40-46°C के बीच है। मध्य प्रदेश के देवास में गर्मी से बचने के लिए 20 कूलर के साथ बारात निकाली गई। राजस्थान के धौलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के एक जनरल कोच के निचले हिस्से में आग लग गई। रेलवे के सूत्रों के मुताबिक, गर्मी के कारण ब्रेक पैडल वाले हिस्से में आग लगी थी। यूपी का बांदा 45.6°C तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में 45.3°C से ज्यादा तापमान रहा। यहां लू सेंटर बनाए जा रहे हैं, जहां ठंडा पानी और

ग्लूकोज का इंतजाम होगा। यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश हुई। प्रयागराज और आगरा समेत 6 जिलों में बुधवार को ओले गिरे। इससे पहले प्रयागराज में गर्मी और लू को देखते हुए जगह-जगह वाटर ATM लगाए गए। IMD के मुताबिक 17 राज्यों में भी आंधी-बारिश हो सकती है। यूपी, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 60kmph की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

बंगलूरू में बारिश का कहर: अस्पताल की दीवार गिरने से सात लोगों की मौत, सीएम सिद्धारमैया ने किया मुआवजे का एलान

एजेंसी

बंगलूरू। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में बुधवार शाम हुई भारी बारिश और तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई है। शहर के शिवाजीनगर इलाके में स्थित बोवरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक विशाल चारदीवारी अचानक ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम सात लोगों की जान चली गई है। मलबे के नीचे दबने से कई अन्य लोग घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि डॉक्टरों ने घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई है। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासनिक अमला और बचाव टीमें मौके पर पहुंच गईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मरने वालों में ज्यादातर सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी लगाने वाले दुकानदार और वहां से गुजर रहे राहगीर शामिल हैं। शाम के वक्त अचानक शुरू हुई तेज बारिश और हवाओं के कारण दीवार का ढांचा दबाव नहीं झेल सका और गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बारिश इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और मलबे को हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है।

मुख्यमंत्री ने मुआवजे के तौर पर मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये देने का एलान किया है। शहर में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

पश्चिम बंगाल एग्जिट पोल: कई सर्वे में भाजपा को बढ़त, कुछ में टीएमसी ने बनाए रखी टक्कर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान पूरा हो गया, जिसके बाद बुधवार शाम को एग्जिट पोल्स जारी कर दिए गए। पश्चिम बंगाल की 294 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 148 सीटों की जरूरत है, लेकिन अलग-अलग एजेंसियों के सर्वे में तस्वीर पूरी तरह बंटी हुई नजर आ रही है। कुछ एग्जिट पोल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सत्ता में वापसी दिखा रहे हैं, तो कुछ सर्वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पहली बार बंगाल में सरकार बनाते हुए बता रहे हैं। चाणक्य स्ट्रेटजी के एग्जिट पोल में तृणमूल कांग्रेस को 130 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 150 से 160 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य दलों के खाते में 6 से 10 सीटें जा सकती हैं। पीपुल्स पल्स के सर्वे में टीएमसी को 117 से 187 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। भाजपा को

95 से 110 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य को 1 से 4 सीटें मिलने की संभावना है।

मैट्रिज के एग्जिट पोल में टीएमसी को 125 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा 146 से 161 सीटों के साथ बढ़त में दिखाई गई है। अन्य दलों को 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं।

पी-मार्क के सर्वे में तृणमूल कांग्रेस को 118 से 138 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 150 से 175 सीटें मिल सकती हैं। अन्य दलों को 2 से 6 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। एबीपी न्यूज-सी वोटर के एग्जिट पोल में भी टीएमसी को 118 से 138 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि भाजपा को 150 से 175 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य के खाते में 2 से 6 सीटें जा सकती हैं।

पोल डायरी के अनुमान के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में टीएमसी को 99 से 127 सीटें, भाजपा को 142 से 171 सीटें, कांग्रेस को तीन से पांच, लेफ्ट गठबंधन को दो से तीन और अन्य के खाते में एक सीटें जाने का अनुमान है।

मिजोरम: नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

करोड़ों की हेरोइन बरामद, कई गिरफ्तार

एजेंसी

आइजोल। मिजोरम पुलिस ने राज्यभर में नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। अब तक इस कार्रवाई के दौरान तीन करोड़ से ज्यादा की हेरोइन जब्त की गई है और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। ये सभी लोग सीमा पार से जुड़े तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सबसे पहली कार्रवाई 26 अप्रैल को की गई थी। तब 95.8 लाख की कीमत वाली 480 ग्राम हेरोइन बरामद की थी और असम के सुल्तान अहमद लस्कर (35) को भी गिरफ्तार किया था। इससे एक दिन पहले पुलिस ने इसी तरह की कार्रवाई में अब्दुल सोलम बरभुइया (27) को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इसके पास से 69.2 लाख रुपए की कीमत वाली 479 ग्राम हेरोइन जब्त की थी। जानकारी के मुताबिक, इससे पहले 24 अप्रैल को पुलिस ने 61.6 लाख रुपए की कीमत वाली 308 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने थांगरोखावली (42) को भी

गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए इन सभी लोगों में मुख्य रूप से म्यांमार से जुड़ा एक सप्लायर और आइजोल में हेरोइन लेने वाला एक स्थानीय व्यक्ति शामिल था। उसी दिन पुलिस ने 4.4 लाख की कीमत वाली 22 ग्राम हेरोइन जब्त की थी और दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया था। उधर, 24 अप्रैल को पुलिस ने नगोपा में 70.2 लाख की कीमत वाली 351 ग्राम हेरोइन और 21 अप्रैल को आइजोल में बरामद की थी। पुलिस के मुताबिक, इस कार्रवाई के दौरान अब तक जितने भी लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनसे इस बारे में विस्तार से पूछताछ की जा रही है।

साथ ही, पुलिस ने बताया कि अभी तक नशे की तस्करी के मामले में जो भी कार्रवाई की गई है, उससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि मिजोरम मौजूदा समय में नशे की तस्करी के लिए आम रास्ता बना हुआ है। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम राज्य में नशे की तस्करी को पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाए।

राजकोट में 20 लाख की घूस लेते CGST सुपरिंटेंडेंट और दलाल गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। के सरकारी दफ्तरों में बैठे कुछ अधिकारियों की भूख इस कदर बढ़ गई है कि उन्हें अब सरकार से मिलने वाला मोटा वेतन और सुख-सुविधाएं भी कम पड़ने लगी हैं। जनता की सेवा के नाम पर कुर्सी संभालने वाले ये 'सफेदपोश' अधिकारी अब खुलेआम लाचारी का सौदा करने लगे हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राजकोट में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए CGST सुपरिंटेंडेंट और एक टैक्स कंसल्टेंट को रंगे हाथों गिरफ्तार कर इस सिस्टम की पोल खोल दी है।

फाइल दबाने का खेल: 25 लाख की डिमांड
पूरा मामला जीएसटी की जांच से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के खिलाफ जीएसटी न भरने और फर्जी बिल बनाने से जुड़ी एक अर्जी की जांच ष्टत्रस्ञ्ज सुपरिंटेंडेंट मुकेश कुमार मनोबोध कुमार कर रहे थे। कानूनन कार्रवाई करने के बजाय, मुकेश कुमार ने इस मामले को खत्म करने के बदले में 25 लाख रुपये की भारी-भरकम घूस मांगी। बस स्टैंड पर हुई 'सेटलमेंट' और गिरफ्तारी भ्रष्टाचार के इस सौदे में काफी मोलभाव हुआ और अंत में मामला 20 लाख रुपये पर तय हुआ। रिश्वतखोर अधिकारी मुकेश कुमार इतना शातिर था कि उसने खुद पैसे न लेकर अपने विश्वासपात्र टैक्स कंसल्टेंट को पैसे लेने भेजा। राजकोट बस स्टैंड पर जैसे ही टैक्स कंसल्टेंट ने घूस की रकम हाथ में ली, पहले से ही जाल बिछाकर बैठी ACB की टीम ने उसे दबोच लिया। इसके तुरंत बाद मुख्य आरोपी सुपरिंटेंडेंट मुकेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया।
महानगर मेट्रो विशेष विश्लेषण: क्या डंडा चलने से सुधरेगा तंत्र? यह कोई पहली घटना नहीं है जब गुजरात में क्लास-1 स्तर का अधिकारी रिश्वत लेते पकड़ा गया हो। सवाल यह उठता है कि आखिर अधिकारियों में कानून का डर खत्म क्यों हो गया है? **सफेदपोश दलाली:** अब अधिकारियों ने सीधे पैसे लेने के बजाय टैक्स कंसल्टेंट और एजेंटों का एक 'सुरक्षा घेरा' बना लिया है। ये दलाल अधिकारियों के लिए 'कलेक्शन एजेंट' का काम करते हैं।**फैलता खौफ:** राजकोट की इस कार्रवाई के बाद से अन्य सरकारी विभागों के भ्रष्ट बाबुओं में भारी फफड़ाहट (डर) देखी जा रही है। **जनता का घाव:** एक तरफ आम नागरिक महंगाई और टैक्स की मार झेल रहा है, दूसरी तरफ रक्षक ही भक्षक बनकर जनता का खून चूस रहे हैं।

गच्छाधिपति आचार्य श्री हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी का भव्य मंगल प्रवेश; भक्ति के रंग में रंगी अहिल्या नगरी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। इंदौर की धरा एक बार फिर आध्यात्मिक ऊर्जा से दमक उठी है। तिलक नगर क्षेत्र में आयोजित होने वाले त्रिदिवसीय भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव (2 से 4 मई) के उल्लास के बीच मंगलवार, 29 अप्रैल को गच्छाधिपति पपू. आचार्य देव श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. का मंगल प्रवेश ऐतिहासिक भव्यता के साथ संपन्न हुआ। जयकारों और बैंड-बाजे की मधुर धुनों के बीच जब गुरुदेव का नगर प्रवेश हुआ, तो साकेत नगर से लेकर तिलक नगर तक का मार्ग 'गुरुभक्ति' के जयघोष से गूँज उठा। भक्ति और वैभव का संगमः निकला भव्य चल समारोह प्रातः 9 बजे साकेत नगर से प्रतिमा प्रतिष्ठा चल समारोह एवं जाजम वरघोड़ा प्रारंभ हुआ। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी हजारों श्रद्धालु बने। वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. के साथ मुनिराज श्री दिव्यचन्द्रविजयजी, मुनिराज श्री पुष्पेंद्रविजयजी, मुनिराज श्री रूपेन्द्रविजयजी एवं मुनिराज श्री वैराग्ययशविजयजी म.सा. की पावन उपस्थिति ने वातावरण को पावन कर दिया। साथ ही श्रमणीवृंद की उपस्थिति ने इस मंगल प्रवेश को और भी गरिमामयी बनाया। प्रमुख आकर्षण और कार्यक्रम वाराणसी नगरी में प्रवचनः मंगल प्रवेश शोभायात्रा श्री राजेंद्रसूरी आराधना भवन पहुँची, जहाँ भव्य 'वाराणसी नगरी' में आचार्यश्री के अमृत प्रवचन हुए। जाजम का वरघोड़ाः शाम को लाभार्थी प्रेम कमल वागरेचा परिवार के निवास से भव्य वरघोड़ा निकला, जो श्री तिलकेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर होता हुआ वाराणसी नगरी पहुँचा।भजनों की स्वरलहरीः शाम को सुप्रसिद्ध भजन गायक दीपक करनपुरिया (प्रतापगढ़) ने अपनी सुरीली आवाज़ से समां बांध दिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूम उठे और प्रतिष्ठा महोत्सव के चढ़ावे का कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

महानगर मेट्रो विशेषः समाज की एकजुटता

इस महोत्सव में समाज के हर वर्ग की सहभागिता देखने को मिली। सुजानमल सेठ (मैनेजिंग ट्रस्टी), वरिष्ठ भाजपा नेता मेघराज जैन, श्रेणिक लूनावत सहित महोत्सव समिति के अध्यक्ष संजय मोदी और उनकी टीम ने व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखा।

अपराधों के मद्देनजर शादी वाले घरों में पुलिस पहरे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने शासन प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मांग किया है कि छत्तीसगढ़ में शादी वालों घरों में पुलिस का पहरा हो लगातार बढ़ रही अपराधी घटनाओं को देखते हुए पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने कहा कि अभी लगातार छत्तीसगढ़ में शादियों का सीजन है अब घटना का पैटर्न बदल चुका है लोग अब शादी वाली जगह को अपने व्यक्तिगत खुन्नस निकालने के लिए मौके की तलाश में जुटे है हाल ही में केसीसी जिले के मुढ़ीपार में बारात के दौरान चाकू बाजी की घटना सामने आई थी इसी तरीके राजनांदगांव जिले से डोगरगढ़ ब्लॉक के रामाटोला टोला में एक शादी समारोह में जघन्य वारदात में एक युवक की मौत हो गई इन सब लगातार बढ़ रही अपराधीक घटनाओं को देखते हुए शासन प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री जी से आग्रह है की शादी वाले घरों में पुलिस का पहरा हो डीजे संबंधित नियमों को कड़ाई से पालन करें बाराती और घराती को सख्त हिदायत दी जाए किसी भी तरीके की अप्रिय वारदात की सूचना तत्काल पुलिस को दे बारातियों में पुलिस का पहरा हो कोई एक दो कांस्टेबल वहां पर अपनी ड्यूटी दे क्योंकि अभी लगातार शादी का सीजन है जिस तरीके से वारदात बढ़ रही है आने वाले समय में और भी हिंसक रूप धारण कर सकता है इसलिए इस पर तत्काल अंकुश लगाए जाने की जरूरत है

बीड से गुजरात तक मजदूरी के दलदल में पिसती औरतों की चीख!

कोख पर 'कोयता' का प्रहार - मज़दूरी की खातिर शरीर से खिलवाड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। महाराष्ट्र के बीड जिले से उठी एक दर्दनाक खबर ने आज पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। यह कहानी किसी बीमारी की नहीं, बल्कि उस भयानक शोषण की है जहाँ गरीबी एक महिला के शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंग यानी उसके 'गर्भाशय' को निगल रही है। लगभग 13,000 से अधिक महिलाओं ने अपनी कोख सिर्फ इसलिए निकलवा दी ताकि वे बिना किसी रुकावट के गन्ने के खेतों में काम कर सकें।
मजबूरी का सौदा: ?500 का डर और 'मुकदम' का कोड़ा
गन्ना कटाई के काम में लगे इन 'कोयता' मजदूरों के नियम रूह कंपा देने वाले हैं। इन मजदूरों को काम पर रखने वाले ठेकेदार (मुकदम) का नियम स्पष्ट है: 'मासिक धर्म के कारण एक दिन की छुट्टी यानी ?500 से 1000 का जुर्माना।'

खेतों में न शौचालय है, न पानी, न आराम। धूल और गंदगी के बीच इन्फेक्शन के डर और भारी आर्थिक दंड से बचने के लिए इन महिलाओं को एक ही रास्ता सूझा– हिस्टेरेक्टॉमी यानी गशय निकलवाना।
गुजरात में भी सुलग रही है आग?
चिंताजनक बात यह है कि इसी तरह की खबरें गुजरात के ठाकोर समाज और अन्य श्रमिक वर्गों से भी छनकर आ रही हैं। यहाँ भी मजदूरी करने वाली महिलाएं इसी तरह के शारीरिक शोषण का शिकार हो सकती हैं। साक्ष्यों और शिक्षा के अभाव में ये मामले दबे रह जाते हैं, लेकिन 'धुआं उठा है तो आग कहीं न कहीं जरूर होगी।' क्या गुजरात के खेतों में भी कोख का सौदा हो रहा है? यह जांच का गंभीर विषय है।
विशेषज्ञ राय: ईंट निकली तो ढह जाएगी दीवार
स्त्री रोग विशेषज्ञों के अनुसार, गशय को बिना चिकित्सा कारण के निकालना एक 'आत्मघाती' कदम है:
पे ऑर्गन प्रोलैप्स: गशय केवल बच्चा पैदा करने के लिए नहीं है, यह मूत्राशय और मलाशय को सहारा देता है। इसे हटाने का मतलब है अन्य अंगों का अपनी जगह से खिसक जाना।
हड्डियों का खोखलापन: अंडाशय हटने से 'एस्ट्रोजन' हार्मोन खत्म हो जाता है, जिससे हड्डियां कांच की तरह कमजोर (ओस्टियोपोरोसिस) हो जाती हैं।
मानसिक और शारीरिक आघात: समय से पहले 'मेनोपॉज' आने से चिड़चिड़ापन, हॉट फ्लैशेस और हृदय रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

महानगर मेट्रो का तीखा विश्लेषण: यह विकास है या विनाश?

'जिस समाज में एक औरत को अपना पेट पालने के लिए अपनी कोख गंवानी पड़े, उस समाज को खुद को सभ्य कहने का कोई अधिकार नहीं है।'
यह केवल गरीबी नहीं, बल्कि आधुनिक गुलामी है। ठेकेदारों की मनमानी और प्रशासन की चुप्पी ने इन महिलाओं को 'जीती-जागती मशीन' बना दिया है। हमारी मांग और चेतावनी:
1.कड़ी जांच: महाराष्ट्र और गुजरात सरकार इन मामलों की उच्च स्तरीय जांच कराए।
2.श्रम कानूनों का सख्ती से पालन: खेतों में काम करने वाली महिलाओं के लिए शौचालय और मासिक धर्म के दौरान सवेतन अवकाश अनिवार्य हो।
3.जागरूकता: महिलाओं को यह समझाना जरूरी है कि गर्भाशय निकलवाना कोई 'उपचार' नहीं, बल्कि ताउम्र की बीमारी है।
सावधानी नोट: यह जानकारी केवल जन-जागृति के लिए है। गशय निकलवाने जैसा बड़ा निर्णय केवल कैंसर या जानलेवा स्थिति में ही लें। किसी भी समस्या के लिए योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ से ही संपर्क करें।

गौ माता के सम्मान में उमड़ा आस्था का सैलाब; इंदौर की सड़कों पर गूंजा– अहिंसा परमो धर्मः

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। धर्म और संस्कृति की नगरी इंदौर में रविवार, 27 अप्रैल को एक नया इतिहास रचा गया। गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने और गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के तहत जन-सैलाब सड़कों पर उतर आया। साधु-संतों के सानिध्य में निकाली गई यह विशाल रैली भक्ति, शक्ति और संकल्प का अनूठा संगम रही, जिसमें हजारों की संख्या में गौ-भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। संतों का सानिध्य और गूंजते नारे रैली का नेतृत्व प्रख्यात संत शिरोमणियों ने किया। संत दादूजी महाराज,

अच्युतानंद महाराज, राजेश मुनि जी और रामगोपाल जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने भक्तों में जोश भर दिया। पूरी रैली के दौरान 'गौ माता की रक्षा हो, गौ हत्या बंद हो' के नारों से आकाश गुंजायमान रहा। संतों ने स्पष्ट संदेश दिया कि गौ रक्षा केवल एक धर्म का कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को बचाने का संकल्प है।
अहिंसा परमो धर्मः जैन समाज की सक्रिय भागीदारी इस ऐतिहासिक यात्रा में जैन समाज की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। जीव दया और अहिंसा के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के सैकड़ों लोग रैली में शामिल हुए। जैन समाज के संस्थापक अध्यक्ष वीरेंद्र जी एवं रेखा जी ने प्रमुखता से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रैली के मुख्य होर्डिंग्स पर अंकित 'अहिंसा परमो धर्मः' का संदेश पूरी यात्रा का केंद्र बिंदु बना रहा, जो जीव मात्र के प्रति करुणा का आह्वान कर रहा था।
नारी शक्ति का दिखा रौद्र रूप इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता नारी शक्ति का प्रदर्शन रहा। बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने हाथों में तख्तियां लेकर गौ माता के सम्मान में हुंकार भरी। समाज के हर वर्ग–चाहे युवा हो या बुजुर्ग–सभी ने इस 'अनूठी यात्रा' में कंधे से कंधा मिलाकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन रैली के समापन पर गौ-भक्तों और संतों के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से दो मांगें रखी गईं:
1.गौ माता को अविलंब 'राष्ट्रीय माता' का दर्जा प्रदान किया जाए।
2. देश भर में गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु कठोर कानून बनाया

महंगाई, भ्रष्टाचार और हादसों के बीच गुजरात में भाजपा की जीत का 'डार्क गणित'!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। की राजनीति में चुनावी नतीजे आते ही हार का ठीकरा कांग्रेस के सिर फोड़ना एक रस्म बन गई है। लेकिन क्या कभी हमने 'विकास' के चकाचौंध वाले पर्दे के पीछे झांकने की कोशिश की? क्या भाजपा की प्रचंड जीत के पीछे सिर्फ जनसमर्थन है, या फिर वह व्यूह रचना है जो कैमरों की नज़र से दूर, बंद कमरों में तैयार होती है? 'महानगर मेट्रो' आज उन कड़वे सवालों की पड़ताल करेगा, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया अक्सर दरकिनार कर देता है।
1. निर्विरोध का 'खेला': लोकतंत्र की परिपक्वता या डर का साम्राज्य? 700 से अधिक सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना क्या वास्तव में उनकी लोकप्रियता है? सवाल यह है कि क्या पूरा विपक्ष इतना पंगु हो गया था कि उसे उम्मीदवार ही नहीं मिले? पर्दे के पीछे की कहानी यह है कि कई जगह 'साम, दाम, दंड, भेद' का खुला खेल खेला गया। नामांकन वापस लेने के लिए दी गई धमकियां और पाला बदलने के लिए करोड़ों के 'ऑफर'– क्या यह मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकार की हत्या नहीं है?
2. राख के नीचे दबे सवाल: हादसों पर भारी पड़ती सत्ता की हनक? राजकोट का गेमज़ोन अग्निकांड, वडोदरा के हरणी झील में डूबते मासूम और सूरत की भयावह लापरवाही... इन घावों की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि चुनाव आ गए। इतनी बड़ी प्रशासनिक विफलता के बावजूद अगर जनता उसी सत्ता को चुनती है, तो सवाल सिर्फ सरकार पर नहीं, समाज की सामूहिक चेतना पर भी उठता है। क्या धार्मिक ध्रुवीकरण का चश्मा इतना मोटा है कि हमें अपनों की चीखें सुनाई देना बंद हो गई हैं?
3. आदिवासी बेल्ट: आंदोलन जमीन पर, वोट मशीन में गायब! 'पार-तापी नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट' के खिलाफ कांग्रेस ने आदिवासियों के साथ मिलकर सड़कों पर लंबी लड़ाई लड़ी और प्रोजेक्ट रुकवाया। लेकिन जब मतपेटी खुली, तो वही आदिवासी वोट भाजपा की झोली में गिरे। यह कांग्रेस की संगठनात्मक विफलता है या भाजपा के 'मनी और मसल पावर' का करिश्मा? क्या आदिवासियों की अस्मिता पर सरकारी संसाधनों की चमक भारी पड़ गई?
4. आस्था का राजनीतिकरण: मुद्दों पर धर्म का पर्दा
महंगाई और बेरोजगारी जैसे बुनियादी मुद्दों को ढंकने के लिए 'भगवा' का सहारा लेना भाजपा की पुरानी और अचूक रणनीति रही है। साधु-संतों को चुनावी मंचों पर उतारकर मतदाताओं की तर्कशक्ति को श्रद्धा के नाम पर कुंद कर दिया गया है। जब चुनाव थाली की रोटी पर नहीं, बल्कि मंदिर और धर्म के नाम पर लड़ा जाए, तो लोकतंत्र का हारना तय है। 'लंच डिप्लोमेसी' और लिफाफों की राजनीति शहरी इलाकों में हाउसिंग सोसायटियों के अध्यक्षों को फाइव स्टार होटलों में 'ट्रीट' देना, सोशल मीडिया पर विज्ञापनों की बाढ़ और गली-मोहल्लों में गुपचुप तरीके से बंटते 'लिफाफे'... चुनाव आयोग के ऑडिट से दूर यह खर्च आखिर कौन ट्रैक कर रहा है? हर सीट पर खर्च किए जा रहे करोड़ों रुपये क्या जनता के मत की कीमत लगाने की कोशिश है?
6. खाड़िया और कड़ी: जहां सत्ता का अहंकार टूटा
अहमदाबाद का 'खाड़िया' जो 70 साल से भाजपा का अभेद्य किला था, वहां भाजपा की हार और 'कड़ी' में कांग्रेस की धमाकेदार जीत एक नई सुबह का संकेत है। यह साबित करता है कि जब जनता जागती है और विपक्ष मजबूती से ज़मीन पर खड़ा होता है, तो सत्ता के सबसे मजबूत कंगूरे भी ढह जाते हैं।

'अजेय' भाजपा और 'अस्तित्व' की जंग लड़ता विपक्षः क्या आंकड़ों में उलझकर रह गई है जनसेवा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। के जिला पंचायत चुनाव के हालिया आंकड़ों ने राज्य की सियासत में एक बड़ी लकीर खींच दी है। चुनाव परिणाम केवल जीत-हार की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे राजनीतिक समीकरण की ओर इशारा कर रहे हैं, जो भविष्य के लिए कई सवाल खड़े करता है।
आंकड़ों का खेलः भाजपा बनाम 'बाकी सब'
अगर हम मतों के प्रतिशत (Vote Share) पर नजर डालें, तो तस्वीर बिल्कुल साफ है:
भाजपाः 52' कांग्रेसः 34' आम आदमी पार्टी (AAP): 12' अन्यः 2'
सबसे चौंकाने वाली बात यह है

कि यदि पूरा विपक्ष (कांग्रेस + आप + अन्य = 48') एक साथ मिल भी जाए, तो भी वे भाजपा के 52' के आंकड़े को छूने में असमर्थ हैं। यह महज एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि भाजपा का एक ऐसा 'मजबूत किला' है जिसे भेदना फिलहाल नामुमकिन नजर आ रहा है।
भाजपा क्यों जीतती है? (सत्ता पक्ष का नजरिया)
भाजपा की इस निरंतर जीत के पीछे केवल 'लहर' नहीं, बल्कि एक सधी हुई रणनीति हैः
1.सूक्ष्म प्रबंधन (Micro-Management)Ñ पेज प्रमुख से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक का एक अनुशासित संगठनात्मक ढांचा।
2.डबल इंजन और विकासः केंद्र और राज्य की योजनाओं का सीधा क्रियान्वयन और लाभार्थियों का एक बड़ा वर्ग तैयार करना।
3.चेहरा और भरोसाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत प्रभाव आज भी गुजरात के मतदाताओं के लिए 'गारंटी' का काम करता है। विपक्ष क्यों हारता है? (आत्मचिंतन का विषय)
विपक्ष की हार के पीछे केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि कुछ बुनियादी खामियां हैं:
नेतृत्व का अभावः स्थानीय स्तर पर बड़े चेहरों की कमी और कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने में विफलता। बिखरावः कांग्रेस और 'आप' के बीच वोटों का बंटवारा भाजपा की राह को और आसान बना देता है।
जनसंपर्क में कमीः विपक्ष केवल चुनाव के वक्त सक्रिय नजर आता है, जबकि जनता के मुद्दों पर 365 दिन की पकड़ ढीली दिखती है।
लोकतंत्र के लिए 'मजबूत विपक्ष' क्यों जरूरी? महानगर मेट्रो हमेशा निष्पक्ष पत्रकारिता का हिमायती रहा है। लोकतंत्र एक तराजू की तरह है, जिसके दोनों पलड़े भारी होने चाहिए।
'एक मजबूत सत्ता के साथ-साथ एक प्रखर विपक्ष का होना अनिवार्य है।

आस्था की आड़ में आत्मघातः पति की सलामती के लिए काट दी जीभ; क्या यही है ईश्वर की भक्ति ?

श्रद्धा की खौफनाक कीमतः 'पति स्वस्थ हुए तो जीभ चढ़ा दूंगी', अपनी इसी मान्यता को पूरा करने के लिए महिला ने पार कर दीं तार्किकता की सारी हदें।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। पूरी घटनाः एक खौफनाक मन्नत का अंजाम जानकारी के अनुसार, हरदोई शहर के कोतवाली इलाके की निवासी ऊषा गुप्ता के पति पिछले एक साल से गंभीर पैरालिसिस (लकवा) से जूझ रहे थे। तड़पते पति को देख ऊषा ने मां कालिका के सामने मन्नत मांगी थी कि यदि उसका पति स्वस्थ हो गया, तो वह अपनी जीभ मां के चरणों में चढ़ा देगी। शुक्रवार सुबह जब ऊषा हरदोई-सीतापुर रोड पर स्थित महोलिया शिवपार गांव के काली मंदिर पहुंची, तो वहां मौजूद लोग दंग रह गए। प्रार्थना करने के तुरंत बाद, इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, ऊषा ने एक धारदार हथियार से अपनी जीभ काट डाली।

मंदिर में कोहराम और पुलिस की कार्रवाई

जीभ कटते ही मंदिर परिसर लहूलुहान हो गया और वहां दर्शन करने आए श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत स्थिर है, लेकिन इस आत्मघाती कदम ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। महानगर मेट्रो का विश्लेषणः भक्ति या अंधविश्वास?

यह घटना हमारे समाज के सामने कई कड़वे सवाल खड़े करती हैः **ईश्वर का स्वरूपः** क्या कोई भी दैवीय शक्ति अपने भक्त से उसके शरीर का अंग या रक्त मांगती है? सनातन धर्म और विद्वानों के अनुसार, ईश्वर केवल भाव के भूखे हैं, हिंसा के नहीं। **शिक्षा और विज्ञान की कमीः** पैरालिसिस एक मेडिकल कंडीशन है

जिसका इलाज फिजियोथेरेपी और दवाइयों से होता है। अंग दान करना चिकित्सा का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इस तरह अंग भंग करना केवल अज्ञानता है।

मानसिक दबावः अक्सर सामाजिक और पारिवारिक दबाव में महिलाएं ऐसे चरम कदम उठाती हैं, जिन्हें 'महान बलिदान' का नाम देकर अंधविश्वास को बढ़ावा दिया जाता है। महानगर मेट्रो अपने पाठकों से अपील करता है कि श्रद्धा को विवेक के साथ जोड़ें। किसी भी बीमारी के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह लें। धर्म और आस्था मानसिक शांति के लिए होनी चाहिए, न कि शरीर को अपंग बनाने के लिए।

एक शख्स, एक दीदार और समर्पण की पराकाष्ठाः जब निगाहें ही वफादार हो जाएं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक शख्स का दीदार मुझे इतना पाबंद कर गया। आज के दौर में, जहाँ रिश्ते 'लेफ्ट-राइट स्वाइप' की रफ्तार से बदल रहे हैं, जहाँ 'विकल्पों' की भीड़ ने वफादारी को एक कठिन चुनौती बना दिया है, वहाँ ऊपर लिखी ये चंद पंक्तियाँ किसी रूहानी सुकून की तरह महसूस होती हैं। यह महज़ शायरी नहीं, बल्कि उस 'पूर्ण समर्पण' का घोषणापत्र है, जिसे पा लेना हर किसी के बस की बात नहीं।

दीदार की पाबंदीः क्या है इसके मायने ?

इस शेर की गहराई में उतरें तो समझ आता है कि यहाँ 'पाबंद' होने का अर्थ गुलामी नहीं, बल्कि एक मीठी आजादी है। एक ऐसी आजादी, जहाँ आपकी नजरों ने अपनी मंजिल चुन ली है। जब किसी एक इंसान का चेहरा, उसकी शख्सियत और उसकी मौजूदगी आपकी रूह में इस कदर बस जाए कि दुनिया की तमाम खूबसूरती उसके आगे फीकी लगने लगे, तो उसे ही 'इश्क की मुकम्मल इबादत' कहते हैं।

भीड़ में तन्हाई का सुख

अक्सर लोग कहते हैं कि आकर्षण तो किसी से भी हो सकता है, लेकिन 'निगाहों का न उठना' उस ठहराव की निशानी है जो केवल गहरे जुड़ाव से आता है। जब आप किसी एक शख्स के दीदार से अपनी रूह को तृप्त कर लेते हैं, तो फिर बाहरी चमक-धमक आपको लुभाना बंद कर देती है। यह एक ऐसी मानसिक और भावनात्मक स्थिति है जहाँ आप हजारों की भीड़ में होकर भी अपने उस 'खास शख्स' की यादों के घेरे में महफूज रहते हैं।

महानगर मेट्रो का विश्लेषणः वफादारी का नया व्याकरण

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर शांति की तलाश करते हैं। लेकिन असली शांति किसी हिमालय की गुफा में नहीं, बल्कि उस एक इंसान की आंखों में मिलती है, जिसे देखते ही आपकी भटकती हुई तलाश खत्म हो जाए।
• **निगाहों का अनुशासनः** यह शेर सिखाता है कि प्यार केवल दिल का मामला नहीं, बल्कि नजरों के अनुशासन का भी है।
• **संतुष्टिः** जब एक दीदार आपको 'पाबंद' कर देता है, तो वह आपको भीतर से इतना समृद्ध कर देता है कि आपको किसी और के ध्यान या प्रशंसा की भूख नहीं रहती।
वफादारी मजबूरन नहीं की जाती, वह तो उस 'दीदार' का नतीजा होती है जो दिल को भा जाए। अगर आपके जीवन में भी कोई ऐसा शख्स है जिसने आपकी निगाहों को दुनिया भर की नुमाइशों से बेखबर कर दिया है, तो यकीन मानिए–आप इस दुनिया के सबसे खुशनसीब इंसान हैं। क्योंकि पाबंद होना अगर इतना खूबसूरत हो, तो कौन आजाद रहना चाहेगा?

35 साल बाद खुला हत्या का राज, घर के फर्श के नीचे से निकला कंकाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद।अहमदाबाद के अपराध इतिहास में एक ऐसा पन्ना खुला है, जिसने पुलिस और जनता दोनों के होश उड़ा दिए हैं। शहर के ओढव इलाके में 35 साल पहले हुई एक महिला की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। आरोपी ने हत्या के बाद लाश को कहीं बाहर फेंकने के बजाय घर के अंदर ही खोदकर दफना दिया था और ऊपर से पक्का फर्श बना दिया था।

कैसे खुला तीन दशक पुराना राज?

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को एक गुप्त सूचना मिली थी कि ओढव स्थित एक पुराने मकान में किसी महिला की लाश दबी हो सकती है। यह मामला 1989-90 के आसपास का बताया जा रहा है। क्राइम ब्रांच की टीम जब लाव-लश्कर और फॉरेंसिकविशेषज्ञों के साथ मौके पर पहुंची, तो वहां रहने वाले लोग भी दंग रह गए।

मकान के फर्श के नीचे 'दफन' थी हकीकत

क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने निशानदेही वाले कमरे के फर्श की खुदाई शुरू करवाई। करीब 3 से 4 फीट की खुदाई के बाद जमीन के अंदर से इंसानी हड्डियां और कंकाल बरामद हुए। 35 साल बीत जाने के कारण मांस पूरी तरह गल चुका था, लेकिन कंकाल ने उस खौफनाक वारदात की गवाही दे दी।

क्राइम ब्रांच की तफ्तीश: क्या था मामला?

शुरुआती जानकारी के अनुसार:

1.मृतका की पहचान: माना जा रहा है कि मृतका आरोपी की पत्नी या करीबी रिश्तेदार थी।

2.आरोपी की चाल: हत्या के बाद आरोपी ने समाज और पुलिस को गुमराह किया कि महिला कहीं भाग गई है या लापता है।

3.सटीक सूचना: 35 साल बाद किसी मुखबिर या पारिवारिक सूत्र ने इस राज को पुलिस के सामने खोल दिया।

महानगर मेट्रो विश्लेषण: अपराधी कितना भी शातिर हो, कानून के हाथ लंबे होते हैं

यह मामला साबित करता है कि अपराध कभी मरता नहीं है। अपराधी ने सोचा था कि फर्श के नीचे दबा राज कभी बाहर नहीं आएगा, लेकिन ष्ठह्व टेस्ट और फॉरेंसिक रिपोर्ट अब उस कातिल के गले का फंदा बनेगी।

अगला कदम: क्राइम ब्रांच ने कंकाल के अवशेषों को लैब भेज दिया है। अब DNA मिलान के जरिए मृतका की पहचान पुख्ता की जाएगी और आरोपी (यदि जीवित है 35 साल बाद खुला हत्या का राज, घर के फर्श के नीचे से निकला कंकाल!

) या उसके मददगारों की तलाश तेज कर दी गई है।

चर्चा का विषय

शहर के लोग इस बात से हैरान हैं कि जिस घर में लोग सालों से रह रहे थे, उसी के फर्श के नीचे एक लाश दफन थी। यह घटना किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है, लेकिन इसकी हकीकत बेहद डरावनी है।

भाजपा नेता के बयान पर कांग्रेस का उग्र विरोध, टोंक में पुतला दहन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। भाजपा नेता राधा मोहन अग्रवाल द्वारा एआईसीसी महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट के खिलाफ कथित अशोभनीय और अमर्यादित टिप्पणी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष सऊद सईदी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घंटाघर चौराहा पर पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

प्रदर्शन से पहले बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी पार्क में एकत्रित हुए। यहां से पुतले की अर्थी के साथ जुलूस निकालते हुए घंटाघर चौराहा तक पहुंचे, जहां नारेबाजी के बीच पुतला दहन किया गया। जिला अध्यक्ष सऊद सईदी ने कहा कि भाजपा नेताओं की इस प्रकार की बयानबाजी केवल जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट का फोकस हमेशा जमीनी राजनीति, युवाओं और किसानों के मुद्दों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने पर रहा है, जबकि भाजपा अब व्यक्तिगत टिप्पणियों पर उतर आई है।

आजादी के 77 साल बाद भी 'राम राज्य' में अछूत ? गुजरात के विसावदर की इस शर्मनाक घटना ने मानवता को किया शर्मसार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हम 21वीं सदी के भारत की बात करते हैं, डिजिटल इंडिया और विश्वगुरु बनने का सपना देखते हैं। लेकिन गुजरात के विसावदर तालुका के भूतड़ी गांव से आई एक खबर ने इन तमाम दावों की पोल खोल दी है। रामजी मंदिर के महोत्सव में जो हुआ, वह केवल एक घटना नहीं बल्कि सभ्य समाज के माथे पर एक काला कलंक है।

मुख्य खबर: भेदभाव की इंतहा

भूतड़ी गांव में रामजी मंदिर का भव्य महोत्सव आयोजित किया गया। पूरे गांव को निमंत्रण दिया गया, लेकिन दलित समाज के लिए जो फरमान जारी हुआ, उसने आधुनिक भारत की नींव हिला दी। फरमान यह था कि– 'दलित समाज के लोग मंदिर के भोजन में शामिल तो हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने घर से खुद की थाली और कटोरी (बर्तन) साथ लाने होंगे। '

महानगर मेट्रो के चुभते सवाल:

क्या यही हमारा संस्कार है? एक तरफ हम 'राम राज्य' की दुहाई देते हैं और दूसरी तरफ उसी राम के द्वार पर इंसानों के बीच भेद पैदा करते हैं?

थाली-कटोरी अलग क्यों? क्या किसी की जाति उसके बर्तनों से बड़ी हो गई है?

प्रशासन मौन क्यों? आजादी के 77 साल बाद भी अगर दलितों को अपने सम्मान के लिए लड़ना पड़े, तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है। **तल्ख टिप्पणी:** जहर घोलती मानसिकता

मंदिर वह पवित्र स्थान होता है जहां राजा और रंक एक कतार में खड़े होते हैं। लेकिन विसावदर की इस घटना ने बता दिया कि कुछ लोगों के दिमाग में आज भी जातिवाद का जहर घुला हुआ है। अगर राम के मंदिर में ही 'इंसान' को 'इंसान' नहीं समझा जा रहा, तो फिर वह मंदिर किस काम का? यह घटना उन तमाम लोगों के गाल पर तमाचा है जो कहते हैं कि देश से छुआछूत खत्म हो चुका है।

'न्याय की मांग: अब चुप रहना गुनाह है! '

महानगर मेट्रो स्पष्ट शब्दों में मांग करता है कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। यह समय केवल निंदा करने का नहीं, बल्कि समाज के इस 'कैंसर' के खिलाफ आवाज उठाने का है। अब भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा!

संदेश:

यह खबर समाज को जगाने के लिए है। अगर आज हम चुप रहे, तो कल यह नफरत किसी और गांव के दरवाजे पर खड़ी होगी। आइए, समानता और मानवता के लिए हाथ मिलाएं।

पीएम-राहत योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटना के घायलों को 1 लाख 50 हजार रूपए तक का कैशलेस उपचार की सुविधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भारत सरकार की पीएम-राहत (प्रधानमंत्री-रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेसन एण्ड एस्योरड ट्रीटमेंट) योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों को तत्काल एवं कैशलेस ईलाज की सुविधा दी जा रही है। पीएम-राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पीड़ितों को गोल्डन ऑवर अर्थात सड़क दुर्घटना के तुरंत बाद के महत्वपूर्ण समय में बिना किसी देरी के अस्पताल में भर्ती कर अधिकतम 7 दिनों तक प्रति व्यक्ति अधिकतम 1 लाख 50 हजार रूपए तक का कैशलेस उपचार जिले के पंजीकृत सभी शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। पीएम-राहत योजना का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पीएम-राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में पीड़ित 12 लोगों का पंजीयन कर योजनांतर्गत उपचार किया गया। जिसमें 10 मरीजों का ईलाज भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में तथा 2 मरीजों का ईलाज संजीवनी नर्सिंग होम चिखली राजनांदगांव में किया गया। जिनमें से ग्राम पचपेडी राजनांदगांव निवासी मिनेश कुमार कोशरे, बधियाटोला डोंगरगढ़ निवासी शत्रुहन पटेल, गुडापारा बालोद निवासी राजेश कुमार साहू, बावली छुरिया निवासी चोवाराम यादव, मेढा डोंगरगढ़ निवासी भूपेन्द्र कुमार साहू, कविराज टोलागांव राजनांदगांव निवासी शिवा पारधी, कुवागांव बालोद निवासी जितेन्द्र ठाकुर, केशला डोंगरगांव निवासी डोमन दास साहू, टाटीबंध रायपुर निवासी त्रिलोक गिरी गोस्वामी, कौड़ीकसा अम्बागढ़ चौकी निवासी पंचराम यादव का ईलाज भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में किया गया। बोरी राजनांदगांव निवासी सुनिता यादव एवं अरसीटोला छुरिया निवासी रंजिता पडौती का ईलाज संजीवनी नर्सिंग होम चिखली राजनांदगांव में किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि पीएम-राहत योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल मरीजों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना हैं। दुर्घटना के बाद शुरूवाती समय में तत्काल ईलाज मिलने पर कई लोगों की जान बचाई जा सकती हैं। इसलिए योजना में सड़क दुर्घटना के गोल्डन ऑवर में त्वरित उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया हैं। जिले में पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले के समस्त 34 शासकीय अस्पताल -शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय पेंड्री राजनांदगांव, जिला चिकित्सालय बसंतपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव, छुरिया, डोंगरगढ़, घुमका, सोमनी तथा समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिले के कुल 38 निजी अस्पताल प्रभारी व संचालकों को प्रशिक्षण प्रदाय कर आवश्यक जानकारी प्रदाय किया जा चुका हैं। पीएम-राहत योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए निकटतम स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों या कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला राजनांदगांव में संपर्क किया जा सकता है।

चुनावी रण में AI का वार, महुआ मोइत्रा की बढ़ी मुश्किल! फेक वीडियो विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। डिजिटल क्रांति के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) अब चुनाव को प्रभावित करने का सबसे खतरनाक हथियार बनता जा रहा है। ताजा मामला तृणमूल कांग्रेस (TMC) की फायरब्रांड सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़ा है। यूपी के चर्चित IPS अधिकारी और 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' अजय पाल शर्मा के एक तथाकथित वीडियो को साझा करने के मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

क्या है पूरा विवाद?

सोशल मीडिया पर हाल ही में कुछ वीडियो वायरल हुए थे, जिसमें दावा किया गया था कि IPS अजय पाल शर्मा किसी राजनीतिक दल के उम्मीदवार को चेतावनी दे रहे हैं। इसी वीडियो को सांसद महुआ मोइत्रा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया था। अब इस वीडियो की प्रमाणिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शिकायत में किए गए बड़े दावे:

दिल्ली में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोपों की फेहरिस्त लंबी है। आवेदक ने दावा किया है कि: **डीपफेक टेक्नोलॉजी का खेल:** वायरल वीडियो असली नहीं, बल्कि AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) द्वारा तैयार किया गया 'फेक वीडियो' हो सकता है।

•छवि धूमिल करने की साजिश: IPS अजय पाल शर्मा की कर्तव्यनिष्ठ छवि को नुकसान पहुंचाने और उन्हें राजनीतिक विवादों में घसीटने का प्रयास किया गया है।

•चुनावी माहौल को प्रभावित करना: आरोप है कि जनता के मन में भ्रम पैदा करने और चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित करने के लिए सुनियोजित तरीके से गलत जानकारी फैलाई गई है। टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग और लोकतंत्र का खतरा जानकारों का मानना है कि 'फेक वीडियो' और 'डीपफेक' तकनीक के जरिए किसी भी व्यक्ति की आवाज और चेहरे का इस्तेमाल करके उसे कुछ भी बोलते हुए दिखाया जा सकता है। चुनाव के समय ऐसे वीडियो न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती हैं, बल्कि यह मतदाताओं को गुमराह करने का भी बड़ा जरिया बन रहे हैं।

'महानगर मेट्रो का नजरिया: '

डिजिटल युग में किसी भी वीडियो या सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अनिवार्य है। यदि एक जन-प्रतिनिधि ही बिना जांचे ÒAI जेनरेटेड' सामग्री फैलाता है, तो इसकी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय होनी चाहिए। कानून को यह स्पष्ट करना होगा कि क्या यह केवल एक तकनीकी गलती है या किसी की छवि बिगाड़ने की गहरी साजिश?

एक मासूम की ज़िंदगी के लिए 'महानगर मेट्रो' की भावुक अपील: नन्हे ध्रीशिव को है आपकी मदद की ज़रूरत, क्या हम बुझते हुए इस दीये को बचाएंगे ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कहते हैं कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं होता और जब बात एक मासूम की जान बचाने की हो, तो पूरा समाज एक परिवार बन जाता है। आज 'महानगर मेट्रो' एक ऐसे ही मासूम बच्चे ध्रीशिव (Dhrishiv) के लिए आपसे मदद की गुहार लगा रहा है, जिसकी ज़िंदगी इस वक्त वक्त की दहलीज़ पर संघर्ष कर रही है। यह महज एक समाचार नहीं है, बल्कि एक लाचार माता-पिता की करुण पुकार और एक नन्हे फरिश्ते की जीने की ज़िद की कहानी है।

आपकी छोटी सी मदद, ध्रीशिव के लिए बड़ा बदलाव

ध्रीशिव के माता-पिता आज अपने कलेजे के टुकड़े के स्वास्थ्य के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं। जिस उम्र में बच्चे के हाथों में खिलौने होने चाहिए, उस उम्र में यह मासूम अस्पताल के बिस्तर पर ज़िंदगी की जंग लड़ रहा है। इलाज का खर्च इतना बड़ा है कि परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूट चुका है, लेकिन उन्हें उम्मीद है 'आप' पर और आपकी संवेदनशीलता पर। याद रखें: आपका 10, 20 या 100 रुपये का छोटा सा अंशदान भी जब लाखों हाथों से मिलेगा, तो वह ध्रीशिव के लिए 'जीवन का अमृत' बन जाएगा।

परिवार से संपर्क करें और मदद का हाथ बढ़ाएं

ध्रीशिव के माता-पिता आपकी आर्थिक सहायता और प्रार्थनाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आप नीचे दिए गए नंबरों पर सीधे संपर्क कर आर्थिक मदद भेज सकते हैं या इस खबर को अधिक से अधिक शेयर करके जागरूकता फैला सकते हैं:

पिता/ माता का संपर्क-8511444415/8511222200

महानगर मेट्रो की प्रार्थना

हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि ध्रीशिव जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाए और उसके माता-पिता के चेहरे पर फिर से वही मुस्कान लौटे। मुसीबत की इस घड़ी में हम सभी को मिलकर इस परिवार का संबल बनना चाहिए। याद रखिए, 'बूंद-बूंद से सागर भरता है'–आपका एक छोटा सा कदम ध्रीशिव को नया जीवन दान दे सकता है। 'सेवा ही परमो धर्म है' – आज इस सूत्र को सच कर दिखाने का समय है।

सैफ के 'बेडरूम सीक्रेट्स' पर खुलकर बोलीं करीना कपूर, कहा- जिंदगी भर उनकी खुशबू में खोना चाहती हूं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड के 'पावर कपल' कहे जाने वाले सैफ अली खान और करीना कपूर खान अपनी केमिस्ट्री को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर नपे-तुले बयान देने वाली करीना ने हाल ही में अपने पति सैफ पर जमकर प्यार बरसाया और कुछ ऐसी बातें साझा कीं, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

'सैफ की खुशबू है बहुत सेक्सी '

करीना कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान बेहद निखालसता से स्वीकार किया कि उन्हें सैफ अली खान की बॉडी स्मेल (सुगंध) बेहद पसंद है। करीना ने सैफ की तारीफ करते हुए कहा:

'सैफ की खुशबू बहुत 'सेक्सी' है। मुझे उनकी स्मेल इतनी पसंद है कि अगर मौका मिले, तो मैं जिंदगी भर उसे अपने सांसों में बसाए रखना चाहूंगी। '

करीना के इस बयान ने उनके फैंस के बीच हलचल मचा दी है। बेबो ने स्पष्ट किया कि सैफ के प्रति उनका आकर्षण आज भी उतना ही ताजा है, जितना सालों पहले था। बेडरूम सीक्रेट्स और रात भर की बातें सिर्फ खुशबू ही नहीं, करीना ने अपने निजी पलों को लेकर भी बेबाकी से बात की। उन्होंने खुलासा किया कि वह सैफ के साथ बिताए जाने वाले समय को कितना महत्व देती हैं। करीना ने कहा:

'सैफ के साथ, मैं पूरी रात बिताती हूं... हमारे बीच की बातें और साथ बिताया गया समय मेरे लिए सबसे कीमती है। '

करीना ने आगे बताया कि सैफ न केवल एक बेहतरीन पति हैं, बल्कि एक बहुत अच्छे वक्ता भी हैं, जिनके साथ घंटों बातें की जा सकती हैं। नवाब और बेगम की बेमिसाल जोड़ी पटौदी खानदान के नवाब सैफ अली खान और कपूर खानदान की लाडली करीना की शादी को एक दशक से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन आज भी दोनों के बीच का रोमांस नई जोड़ियों को मात देता है। 'महानगर मेट्रो' को दिए गए इस अपडेट से साफ है कि करीना आज भी सैफ के प्यार में पूरी तरह डूबी हुई हैं।

अंकलेश्वर में 'सिस्टम' हुआ ढेर: पुलिस की गोद में खेल रहा है अपराधी विजय, मौत की 'परब' बनी अवैध शराब की भट्टियाँ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच/अंकलेश्वर। गुजरात में कहने को तो शराबबंदी और जुआबंदी कानून लागू है, लेकिन भरूच जिले का औद्योगिक शहर अंकलेश्वर इन दिनों अपराधियों की सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है। यहाँ कानून का डर अपराधियों को नहीं, बल्कि उन आम नागरिकों और पत्रकारों को है जो इन अवैध धंधों के खिलाफ आवाज उठाते हैं। अंकलेश्वर में शराब और जुए के अड्डे किसी 'पानी की परब' की तरह हर नुक्कड़ पर फल-फूल रहे हैं।

चौटा बाज़ार: जहाँ कानून की धज्जियाँ उड़ती हैं

अंकलेश्वर रेलवे स्टेशन के पास स्थित चौटा बाज़ार की झोपड़पट्टियों में 'विजय' नाम के अपराधी का समानांतर साम्राज्य चल रहा है। यहाँ 'वरली मटका' और 'असरा' जैसे जुए के खेल में रोजाना लाखों का टर्नओवर है। ताज्जुब की बात यह है कि यहाँ सिर्फ स्थानीय लोग नहीं, बल्कि वापी, वलसाड और सूरत जैसे दूर-दराज के शहरों से लोग अपनी किस्मत आज़माने (या कहें बर्बादी की ओर) आते हैं।

पुलिस या अपराधियों की 'कवच'?

महानगर मेट्रो की पड़ताल में चौंकाने वाला सच सामने आया है। स्थानीय पुलिस और एलसीबी (LCB) के कुछ अधिकारियों पर आरोप है कि वे कार्रवाई करने के बजाय इन अड्डों से मोटा 'हफ्ता' वसूल रहे हैं।

• मुखबिरी का नया पैंतरा: जब कोई जागरूक नागरिक पुलिस को सूचना देता है, तो पुलिस अपराधियों को पकड़ने के बजाय शिकायतकर्ता का नाम और नंबर अपराधी विजय तक पहुँचा देती है। इसके बाद शुरू होता है डराने-धमकाने का सिलसिला।

• नील रेड (Nil Raid) का खेल: हाल ही में एलसीबी पुलिस को सूचना दी गई थी, लेकिन टीम ने मौके पर पहुँचकर खानापूर्ति की और मोटी रकम लेकर 'नील रेड' (कोई बरामदगी नहीं) दिखा दी।

• 'क्या प्रशासन किसी बड़े लठ्ठाकांड की राह देख रहा है? केमिकल वाली जहरीली शराब खुलेआम बिक रही है, जो किसी भी दिन अंकलेश्वर में लाशों के ढेर लगा सकती है। '

मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को सीधा चैलेंज

अंकलेश्वर की यह स्थिति सीधे तौर पर गुजरात के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के 'जीरो टॉलरेंस' के दावों को चुनौती दे रही है। जब अपराधी खुलेआम पुलिस के साथ मिलकर जुआ और शराब का धंधा चलाएँ, तो आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे?

महानगर मेट्रो के सुलगते सवाल:

1. भरूच एसपी साहब, क्या आपके खुफिया तंत्र को अंकलेश्वर के इन मशहूर अड्डों की जानकारी नहीं है? या जानकारी होकर भी आँखें मूंद ली गई हैं?

2. गृह विभाग, क्या पुलिस द्वारा शिकायतकर्ता की जानकारी अपराधियों को देना अपराध की श्रेणी में नहीं आता?

3. प्रशासन, केमिकल वाली शराब से होने वाली संभावित मौतों की जिम्मेदारी क्या स्थानीय पुलिस स्टेशन लेगा?

महानगर मेट्रो न्यूज़ इस मामले की तह तक जाएगा। हमारे पास मौजूद साक्ष्य यह बताने के लिए काफी हैं कि अंकलेश्वर पुलिस का एक हिस्सा वर्दी के बजाय अपराधियों के प्रति वफादार है। हम इस मुद्दे को राज्य के आला अधिकारियों तक ले जाएँगे जब तक कि विजय जैसे अपराधियों और भ्रष्ट पुलिसकर्मियों पर नकेल नहीं कसी जाती।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतुः

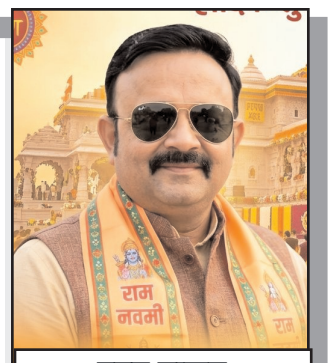

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ...

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दशार्ता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्ल के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश

की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दशार्ता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

संपादकीय

लद्दाख में नई पहल

जम्मू-कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद-दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बफीर्ले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

आस्था,आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

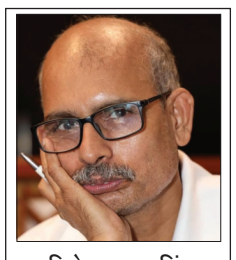

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा–विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प...

जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं। यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग रू.6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है। वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव–यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ।रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मयार्दा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है–मनुष्य एक यात्री है, जो आया है और आगे बढ़ जाएगा। 'काश्यां मरणान्मुक्तिः' का शास्त्रीय वचन यहाँ अनुभव बन जाता है।इसी आध्यात्मिक यात्रा के समानांतर भारतीय रेल की विकास यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ रही है। वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन इस बात का प्रतीक है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिकता की ओर कितनी दृढ़ता से अग्रसर है।काशी की संध्या आरती में जब दीपों की पंक्तियाँ गंगा में तैरती हैं,तो वह दृश्य यह संदेश देता है कि जीवन का सार केवल उपलब्धियों में नहीं,बल्कि आत्मबोध में है। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यहाँ जीवंत हो उठता है।

अयोध्या से काशी तक की यह यात्रा केवल दूरी नहीं,बल्कि उस आध्यात्मिक पथ का प्रतीक है, जहाँ राम की मयार्दा और शिव की मुक्तता एक साथ अनुभव होती है। और जब इस पूरी यात्रा को मैं एक साक्षी भाव से देखता हूँ,तो यह अनुभव होता है कि जीवन स्वयं एक 'अमृत भारत एक्सप्रेस' है -निरंतर गतिमान, सतत शिक्षाप्रद और अनवरत प्रवाहमान।प्रधानमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी अब केवल अतीत की गौरवगाथा नहीं,बल्कि भविष्य की विकासगाथा भी है।यह वह भूमि है,जहाँ आस्था की जड़ें जितनी गहरी हैं,विकास की शाखाएँ उतनी ही विस्तृत हो रही हैं।

जय काशी विश्वनाथ... जय श्रीराम... भारत की यह यात्रा अनंत

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025...

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आई हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की होड़ बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजिक

शादी समारोह में घुसकर युवक ने किशोरी से किया दुष्कर्म, पकड़ा गया, CCTV में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी क्षेत्र में एक विवाह समारोह खुशियों के माहौल में अचानक दहशत में बदल गया। यहां शादी में शामिल होने आई एक 12 वर्षीय मासूम किशोरी के साथ धर्मशाला के एक कमरे में दुष्कर्म की जघन्य वारदात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, रात्रि के समय जब किशोरी अन्य लोगों के साथ कमरे में सो रही थी, तभी एक बाहरी युवक कमरे में घुस आया और उसने लड़की के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म की कोशिश की। किशोरी की चीख-पुकार सुनकर आसपास सो रहे घराती और बराती जाग गए। लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को रंगे हाथ दबोच लिया।

गुस्साए लोगों ने आरोपी की जमकर पिटाई की। आरोपी ने मारपीट के बीच भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे फिर पकड़ लिया। अफरा-तफरी के दौरान घटना की सूचना पुलिस को दी गई और मौके पर पहुंची पुलिस को आरोपी को सौंप दिया गया।

CCTV फुटेज सामने आया

घटना के दौरान हुई मारपीट का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी के कमरे में घुसने और उसके साथ लोगों द्वारा की गई मारपीट को साफ देखा जा सकता है। पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। पूरे प्रकरण की गहन जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

पुलिस की प्रतिक्रिया

पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि वह शादी समारोह में कैसे पहुंचा और उसकी असली पहचान क्या है। मामले में जल्द ही पत्रिकाद्धक्रदर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषी के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाएगा।

पीड़िता पक्ष का आरोप

पीड़िता पक्ष का कहना है कि आरोपी न तो घराती पक्ष का था और न ही बराती पक्ष का। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि आरोपी शादी समारोह में पहले से प्लानिंग करके किशोरी के साथ दरिंदगी करने के इरादे से पहुंचा था।

बिना पूछे फोन इस्तेमाल करने पर पीट-पीटकर मार डाला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मालवीय नगर में सोमवार देर रात फोन इस्तेमाल करने को लेकर हुए झगड़े में एक युवक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 30 वर्षीय शत्रुघ्न के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के नालंदा के रहने वाले थे। वह मालवीय नगर के बेगमपुर इलाके में मजदूरी करते थे। पुलिस ने वारदात के कुछ घंटे बाद ही आरोपी राकेश को गिरफ्तार कर लिया। राकेश शत्रुघ्न के साथ ही काम करता था। दिल्ली के मालवीय नगर में मोबाइल फोन इस्तेमाल करने के मामूली झगड़े में 30 साल के मजदूर शत्रुघ्न की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। झगड़ा तब शुरू हुआ जब सोमवार रात आरोपी राकेश ने बिना पूछे शत्रुघ्न का फोन इस्तेमाल किया, जिसे लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी। साथियों के बीच-बचाव के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन रात करीब 12:30 बजे राकेश ने सोते हुए शत्रुघ्न पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

मृतक शत्रुघ्न मूल रूप से बिहार के नालंदा के रहने वाले थे और दिल्ली के बेगमपुर इलाके में मजदूरी का काम करते थे।

वारदात के बाद फरार हुए आरोपी राकेश को पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

ऐसी समझें मामला

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार रात करीब 10:10 बजे आरोपी राकेश ने बिना पूछे शत्रुघ्न का मोबाइल फोन इस्तेमाल कर लिया। शत्रुघ्न ने विरोध किया, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। साथियों ने बीच-बचाव करा दिया। रात करीब 12:30 बजे राकेश वहां लौटा और सो रहे शत्रुघ्न पर डंडे से हमला कर दिया। आरोपी ने उनके गले के ऊपर कई वार किए। शत्रुघ्न की चीख सुनकर मजदूर जाग गए, तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गजब लापरवाही, एक महीने पहले खुल गए स्कूल, अब तक नहीं मिलीं किताबें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। में करीब 10 लाख छात्रों को किताबें न मिलने पर एनजीओ सोशल ज्यूरिस्ट ने शिक्षा सचिव के खिलाफ हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है। आरोप है कि कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं हुआ, जबकि स्कूलों में जल्द गर्मी की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं।

सरकारी स्कूलों में अब तक नहीं मिलीं किताबें

नई दिल्ली लगभग 10 लाख स्टूडेंट्स के शैक्षिक अधिकारों की रक्षा के लिए, नागरिक अधिकार समूह 'सोशल ज्यूरिस्ट' ने दिल्ली सरकार के शिक्षा सचिव संजीव आहूजा के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है। एडवोकेट अशोक अग्रवाल और कुमार उत्कर्ष के जरिए दायर इस याचिका में, अदालत के आदेशों की जानबूझकर और इरादतन अवहेलना के लिए, 'अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971' की

धारा 11 और 12 के तहत अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है। एनजीओ की याचिका के मुताबिक, 2026-27 का शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल, 2026 को शुरू हो गया है, फिर भी दिल्ली सरकार के स्कूलों में I से VIII क्लास तक के बच्चों को उनकी निर्धारित किताबें या कॉपियां नहीं मिली हैं। इस स्थिति को चिंताजनक बताया गया है, क्योंकि स्कूलों में 9 मई, 2026 से गर्मियों की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं, जिससे स्टूडेंट लंबे समय तक बिना किसी पढ़ाई सामग्री के रह जाएंगे। HC से दिल्ली के शिक्षा सचिव के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही की मांग स्कूलों में शुरू होने वाली है 9 मई, 2026 से गर्मी की छुट्टियां हाई कोर्ट के समक्ष सुनवाई होने की उम्मीद सोशल ज्यूरिस्ट के वकीलों का तर्क है कि यह निष्क्रियता, शिक्षा सचिव द्वारा 8 अप्रैल, 2024 को हाई कोर्ट को दिए गए साफ आश्वासन और उसके बाद 4 जुलाई, 2024 को जारी आदेश का उल्लंघन है। उन सुनवाइयों के दौरान, विभाग ने हाई कोर्ट को भरोसा दिलाया था कि किताबें और लिखने की सामग्री समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी और इनकी खरीद के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। याचिकाकर्ता ने 23 अप्रैल, 2026 को प्रतिवादी को एक कानूनी नोटिस भेजा था, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। इसी के चलते अब दंडात्मक कार्रवाई के लिए यह औपचारिक याचिका दायर की गई है। इस मामले के जल्द ही दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष सुनवाई होने की उम्मीद है।

'उठाकर ले जाएंगे', मनचलों की छेड़खानी से तंग आकर लड़की ने छोड़ी पढ़ाई, परिवार दहशत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक ओर जहां मिशन शक्ति 5.0 जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कई बार इन दावों को कठघरे में खड़ा कर देती है। ताजा मामला गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन क्षेत्र से सामने आया है, जहां छेड़छाड़, धमकी, पुरानी रंजिश और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां एक साथ नजर आईं। मनचलों के लगातार उत्पीड़न और धमकियों से परेशान होकर 12वीं की एक छात्रा ने स्कूल जाना तक छोड़ दिया है, जबकि उसका पूरा परिवार दहशत के साए में जीने को मजबूर है। रास्ते में रोककर छेड़छाड़ और धमकियों का आरोप गाजियाबाद में थाना टीलामोड़ क्षेत्र के गरिमा गार्डन की रहने वाली छात्रा ने

26 अप्रैल को आरिफ, साकिब, इमरान, नफीस, आसिफ और जावेद के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। छात्रा का आरोप है कि जब वह रोजाना स्कूल जाती और लौटती है, तो आरोपी उसे रास्ते में रोककर छेड़छाड़ करते हैं, अश्लील फब्तियां कसते हैं और अभद्र टिप्पणियां करते हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अब उसका घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। छात्रा ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि 'आरोपियों ने उसे धमकी दी है कि वे उसे रास्ते से उठाकर ले जाएंगे और उसका ऐसा हाल करेंगे कि वह किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी।' इतना ही नहीं, आरोपियों ने पूरे परिवार को घर छोड़ने तक की धमकी दी है, जिससे परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

पुरानी रंजिश ने बढ़ाया विवाद

पुलिस के मुताबिक करीब एक महीने पहले छात्रा और आरोपियों के परिवार के बीच विवाद हुआ था। उस मामले में आरोपी पक्ष के दो लोगों को जेल भी भेजा गया था। माना जा रहा है कि इसी पुरानी रंजिश के चलते छात्रा को निशाना बनाया जा रहा है और उसे लगातार परेशान किया जा रहा है। पुलिस का दावा और कार्रवाई एसीपी शालीमार अतुल कुमार सिंह के अनुसार, छात्रा की शिकायत पर 26 अप्रैल को तत्काल केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का यह भी कहना है कि पहले हुए विवाद में एनसीआर दर्ज कर कार्रवाई की गई थी और अब नई शिकायत के आधार पर मामला आगे बढ़ाया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था पर उठते सवाल जिले में महिला सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, परिवार परामर्श केंद्र जैसी कई टीमें तैनात होने के दावे किए जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार ये टीमें 24 घंटे सक्रिय रहती हैं और महिला संबंधित शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करती हैं। हालांकि, लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं इन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती हैं

ओवरटेक के दौरान बोलेरो और डंपर की भीषण टक्कर, 3 महिलाओं की मौत, 6 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मंगलवार सुबह करीब दस बजे हुए भीषण सड़क हादसे ने इलाके को दहला दिया। बिहार थाना क्षेत्र में ओवरटेक के प्रयास के दौरान एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर डंपर से टकरा गया, जिसके बाद वाहन खंती में पलट गया और पीछे आ रहा गिट्टी लदा ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ओवरटेक करने के प्रयास में हुआ बड़ा हादसा

जानकारी के अनुसार बोलेरो वाहन बक्सर की ओर से आ रहा था और जैसे ही वह कीरतपुर के पास पहुंचा, चालक ने आगे चल रहे गिट्टी लदे

डंपर को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक को देखकर चालक घबरा गया और वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। बोलेरो पहले डंपर से टकराई और फिर अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद पीछे से आ रहा गिट्टी लदा ट्रक भी पलट गया, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया।

तीन महिलाओं की मौके पर मौत

इस दर्दनाक हादसे में बोलेरो में सवार तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर यातायात व्यवस्था बहाल करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्रशासन ने संभाला मोर्चा

उन्नाव में हुए इस हादसे को लेकर प्रशासन ने भी गंभीरता दिखाई है। क्षेत्राधिकारी बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि हादसा सुबह करीब दस बजे हुआ था और इसमें तीन लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि घायलों के इलाज की व्यवस्था की जा रही है और मामले की जांच की जा रही है।

'गैस खत्म हुई तो चूल्हे पर खाना बनाओगी

गैस की किल्लत देख दूल्हे ने रखी शर्त, दुल्हन ने खुशी-खुशी मानी बात; बाराबंकी की यह शादी बनी इलाके में चर्चा का विषय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक शादी इन दिनों खूब चर्चा में है. भीषण गर्मी और रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच दूल्हे ने सात फेरे लेने से पहले दुल्हन के सामने ऐसी शर्त रख दी, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया. लेकिन दुल्हन ने भी समझदारी दिखाते हुए शर्त मान ली, जिसके बाद शादी की रस्में धूमधाम से पूरी हुई.

शर्त मानते ही बजने लगीं तालियां

दरअसल, मामला बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के खैरा बीरू गांव का है. जहां रहने वाले अशोक की शादी लक्ष्मी से हो रही थी. शादी की तैयारियों के बीच अशोक को घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए कई दिनों तक एजेंसी के चक्कर काटने

पड़े. लंबी लाइनों और गैस की किल्लत ने दूल्हे को इतना परेशान कर दिया कि उसने शादी से पहले ही अपनी होने वाली पत्नी के सामने एक खास शर्त रख दी.

जयमाल से ठीक पहले दूल्हे अशोक ने दुल्हन लक्ष्मी से पूछा कि अगर भविष्य में गैस सिलेंडर की ऐसी ही परेशानी रही, तो क्या वह चूल्हे पर खाना बनाने के लिए तैयार रहेंगी? यह सवाल सुनकर शादी में मौजूद लोग कुछ पल के लिए चौंक गए. लेकिन दुल्हन लक्ष्मी ने बिना किसी हिचकिचाहट के शर्त मान ली. इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो वह चूल्हे के साथ खेतों में भी काम करने को तैयार हैं. दुल्हन के इस जवाब ने दूल्हे को संतुष्ट कर दिया और माहौल तालियों व मुस्कान से गूंज उठा. दूल्हे अशोक ने बताया कि 'हमने ये शर्त रखी थी कि अगर भविष्य में रसोई गैस सिलेंडर की ऐसी ही किल्लत हो जाए, तो क्या वह चूल्हे पर खाना बनाने के लिए तैयार रहेंगी?' इस शर्त को दुल्हन ने मान ली. इसके बाद पूरे रीति-रिवाज के साथ जयमाल हुई और शादी की बाकी रस्में संपन्न हुईं. ग्रामीणों का कहना है कि यह शादी सिर्फ एक अनोखी घटना नहीं, बल्कि रिश्तों में समझदारी, सहयोग और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने का बड़ा संदेश भी देती है. आज के दौर में जहां छोटी-छोटी बातों पर रिश्तों में दूरियां आ जाती हैं, वहीं बाराबंकी के इस जोड़े ने दिखा दिया कि मजबूत रिश्ते आपसी समझ, सहयोग और साथ निभाने के जज्बे से बनते हैं. बाराबंकी की यह अनोखी शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों के लिए एक मजेदार लेकिन सीख देने वाली मिसाल भी है.

चिलचिलाती धूप में 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ी शादीशुदा महिला, प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाथरस। जिले के सासनी कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को 30 वर्षीय विवाहिता पूजा ने लुटसान रोड स्थित मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा कर दिया. पूजा की शादी करीब दो साल पहले बरवाना गांव के यशपाल के साथ हुई थी, लेकिन वह इस रिश्ते से खुश नहीं थी. दोपहर के समय पूजा ससुराल से मायके के लिए निकली और रास्ते में टावर पर चढ़ गई. वह अपने प्रेमी जयप्रकाश से शादी करने की जिद पर अड़ी रही. सूचना मिलते ही एसडीएम, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची. करीब तीन घंटे तक चले इस ड्रामे के बाद जब प्रेमी जयप्रकाश ने उसे समझाया, तब वह नीचे उतरने को तैयार हुई.

विवाहिता के टावर पर चढ़ते ही इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. सासनी थाना प्रभारी विपिन चौधरी और एसडीएम नीरज शर्मा दलबल के साथ मौके पर डटे रहे. दोपहर की चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में महिला ऊपर बैठी रही. अधिकारियों और फायर ब्रिगेड कर्मियों ने उसे उतारने के लिए लगातार काउंसलिंग की और कई बार नीचे आने की अपील की, लेकिन वह टस से मस नहीं हुई.

समझा-बुझाकर आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

जब प्रशासनिक स्तर पर मनाने की कोशिशें नाकाम रहीं, तो महिला के प्रेमी जयप्रकाश को बुलाया गया. प्रेमी की बात सुनते ही पूजा का गुस्सा शांत हुआ और वह धीरे-धीरे सुरक्षित नीचे उतर आई. सुरक्षित नीचे आने के बाद प्रशासन और पुलिस ने राहत महसूस की. एसडीएम ने बताया कि अब महिला, उसके परिजनों और ससुराल वालों की मौजूदगी में काउंसलिंग की जा रही है, ताकि मामले को शांतिपूर्वक सुलझाया जा सके.

IPL देखकर लौट रहे 2 चचेरे भाइयों को ट्रक ने रौंदा, दोनों परिवार के थे इकलौते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जिले पार्लियामेंट स्ट्रीट इलाके में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। वहां IPL मैच देखकर बाइक से लौट रहे दो चचेरे भाइयों को ट्रक ने टक्कर मार दी। यह हादसा सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे अशोक रोड स्थित

महादेव रोड टी-पॉइंट के पास पीएनबी कॉम्प्लेक्स के सामने हुआ। टक्कर के बाद ड्राइवर ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर ट्रक को जब्त कर लिया है और आरोपी ड्राइवर की तलाश जारी है। DCP सचिन शर्मा के अनुसार, रात में PCR कॉल के जरिए अशोक रोड पर एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। यज्ञ स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी में BSc का स्टूडेंट था, जबकि अभय हंसराज स्कूल में 10वीं क्लास में पढ़ रहा था।

मैच देखने गए थे दोनों भाई

पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों भाई दिल्ली और बेंगलुरु के बीच खेले गए IPL मैच को देखने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। शुरुआती जांच के मुताबिक रास्ते में अभय के पिता का फोन आया था, जिस पर उसने बताया था कि वे करीब आधे घंटे में घर पहुंच जाएंगे। उसी दौरान जब दोनों अशोक रोड से गुजर रहे थे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टर्न लेते समय हुआ हादसा

पुलिस के एक सीनियर अधिकारी के अनुसार हादसे के समय ट्रक महादेव रोड टी-पॉइंट से टर्न ले रहा था, उसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि ट्रक को नई दिल्ली जिले में एंट्री की इजाजत थी या नहीं। है

वसंत कुंज में एक क्लाउड किचन ने पुलिस पर लगाया धमकाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वसंत कुंज स्थित एक क्लाउड किचन ने पुलिसकर्मियों पर कर्मचारियों को धमकाने आरोप लगाया है। विवाद बढ़ने के बाद किचन संचालक ने सोमवार रात की सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दीं। हालांकि दिल्ली पुलिस ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई थी। जानकारी के अनुसार, एक कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात पुलिसकर्मी उनके आउटलेट पहुंचे और रात 10 बजे तक संचालन बंद करने को कहा। वसंत कुंज के एक क्लाउड किचन ने दिल्ली पुलिस पर कर्मचारियों को धमकाने का आरोप लगाया है। किचन संचालक का दावा है कि पुलिस ने रात 10 बजे काम बंद करने का दबाव बनाया। धमकी के डर से क्लाउड किचन ने अपनी नाइट सर्विस अस्थायी रूप से बंद कर दी है। दिल्ली पुलिस ने आरोपों को नकारते हुए कहा कि मसूदपुर डेयरी इलाके में बढ़ती चोरियों के कारण यह सख्ती की गई। 'स्टाफ को धमकाया गया' स्टाफ ने जब नियमों को लेकर स्पष्टीकरण मांगने की कोशिश की तो अगले दिन रात करीब 9:40 बजे फिर तीन पुलिसकर्मी फिर पहुंचे और कहा कि इलाके में चोरी की घटनाओं के कारण रात में किचन नहीं चल सकता। उन्होंने दावा किया कि बाद में स्टाफ को धमकाया गया और संचालन जारी रखने के लिए 'बीट वाले से बातचीत' करने को कहा गया। इसके बाद आउटलेट ने अपनी नाइट सर्विस बंद कर दी।

पुलिस ने आरोपों का किया खंडन

वहीं, दिल्ली पुलिस ने आरोपों का खंडन करते हुए सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि मसूदपुर डेयरी क्षेत्र में हाल के दिनों में कई चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। स्थानीय जांच और बीट स्टाफ के इनपुट में पता चला कि आसपास कई क्लाउड किचन संचालित हो रहे हैं, जिनकी वजह से इलाके में देर रात भीड़भाड़ हो रही है। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है।

उसी कंपनी के चॉपर में मुंबई से पुणे गए पार्थ पवार, महाराष्ट्र में विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित पवार के पुत्र, एनसीपी सांसद पार्थ पवार के वीएसआर वेंचर्स के निजी जेट से पुणे यात्रा करने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद इसलिए उपजा है, क्योंकि वीएसआर वेंचर्स वही चार्टर कंपनी है जो 28 जनवरी को हुए उस दुखद विमान हादसे में शामिल थी, जिसमें उनके पिता उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। पार्थ पवार की वीएसआर वेंचर्स के जेट में यात्रा उनके चचेरे भाई और एनसीपी एसपी विधायक रोहित पवार के निजी जेट कंपनी पर गंभीर आरोप लगाने और सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन को उजागर करने के कुछ घंटों बाद हुई। हालांकि, पार्थ पवार ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि यह केवल प्रशासनिक स्तर की गलती थी और उन्होंने इसे गंभीरता से लिया है। पार्थ पवार ने कहा कि वह संबंधित उड़ान बुक करने वाले एजेंट के साथ हुए समझौते को तुरंत रद्द कर रहे हैं।

पार्थ पवार ने क्या कहा

पार्थ पवार ने कहा कि शरद पवार साहब से मिलने के लिए पुणे के मोदी बाग पहुंचने की तत्काल आवश्यकता के कारण उन्होंने अपने कार्यालय को एक उड़ान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि अंतिम समय में की गई व्यवस्थाओं के कारण, अनजाने में उनके लिए वीएसआर एविएशन की उड़ान बुक कर दी गई थी और उन्हें हवाई अड्डे पहुंचने और विमान में सवार होने तक इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि यह वीएसआर एविएशन की उड़ान है। उन्होंने कहा कि यह महज प्रशासनिक स्तर की गलती थी और उन्होंने इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने आगे कहा कि वे संबंधित उड़ान बुक करने वाले एजेंट के साथ हुए समझौते को तुरंत रद्द कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कर्मचारियों और सहकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे अधिक सतर्क रहें ताकि भविष्य में ऐसी गलतियां न हों। वीएसआर एविएशन के प्रति उनका पहले वाला रुख आज भी वही है और उनका कड़ा विरोध है और यह जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस पर जो विवाद खड़ा किया जा रहा है वह पूरी तरह निराधार, भ्रामक और दुर्भाग्यपूर्ण है और वास्तविक स्थिति को समझे बिना इसे राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है। रोहित पवार के सवाल इससे पहले, रोहित पवार ने वीएसआर वेंचर्स पर निशाना साधते हुए कहा था कि दुर्घटना वाले दिन बारामती हवाई अड्डे पर दृश्यता कथित तौर पर आवश्यक 3 किमी से कम थी। मुख्य पायलट कैप्टन सुमित कपूर की चेतावनियों के बावजूद आरोप है कि कंपनी के मालिक ने चालक दल पर उड़ान भरने के लिए दबाव डाला.

दूसरे मर्द संग था पत्नी का अफेयर, कहती थी- तलाक दो, पुलिसकर्मी ने तालाब में कूदकर दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक पुलिसकर्मी की मौत ने सभी को झकझोर दिया. यहां प्रतापनगर थाने में तैनात शीलरत्न बेलेकर ने अंबाझरी तालाब में कूदकर आत्महत्या कर ली. आरोप है कि पत्नी के अफेयर, तलाक और संपत्ति को लेकर बेलेकर परेशान थे. फिलहाल इस केस की छानबीन की जा रही है. जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय शीलरत्न बेलेकर प्रतापनगर पुलिस थाने में तैनात थे. आरोप है कि वह लंबे समय से मानसिक तनाव से गुजर रहे थे. उनकी पत्नी का एक टीचर के साथ दो साल से अफेयर चल रहा था. जब शीलरत्न को इस बारे में पता चला, तो विवाद शुरू हो गया. परिजनों के मुताबिक, शीलरत्न की पत्नी तलाक देने और प्रॉपर्टी अपने नाम करने का दबाव बना रही थी. मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी. लगातार तनाव से परेशान होकर शीलरत्न फरवरी में घर छोड़कर अपने भाई अजय बेलेकर के पास रहने लगे थे. 22 फरवरी को वह घर से निकले, लेकिन उसके बाद उनका कोई पता नहीं चला. परिवार ने प्रतापनगर थाने में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई. कई दिनों तक तलाश जारी रही. 24 अप्रैल को नागपुर के अंबाझरी तालाब से उनका शव बरामद हुआ. शुरुआत में पुलिस ने आकस्मिक मौत का केस दर्ज किया था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर चौंकाने वाली बातें सामने आईं. जांच में पता चला कि शीलरत्न अपनी पत्नी और पत्नी के प्रेमी की प्रताड़ना से परेशान थे. पुलिस ने शीलरत्न की पत्नी और उसके कथित प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है. पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है. फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच-पड़ताल कर रही है.

मीरा रोड का नयानगर मिनी पाकिस्तान, जिहादियों का अड्डा, यहां ऑपरेशन सिंदूर जरूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मीरा रोड के नयानगर में जुबेर अंसारी ने चाकू से सुरक्षा गार्ड राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो पर हमला कर दिया था। जुबेर द्वारा हिंदू होने पर और कलमा न पढ़ पाने की वजह से हमला किया गया था। इसको लेकर महाराष्ट्र में सियासत गरम हो गई है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने हमले की निंदा की और कहा कि सख्त कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ तत्व इलाके में सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री नितेश राणे ने कहा कि मैं हमेशा से कहता आया हूं कि मीरा रोड के नया नगर के लोग जिहादियों की तरह हैं, जो इसे एक छोटा पाकिस्तान बनाना चाहते हैं। इसीलिए वहां लव जिहाद और लैंड जिहाद के मामले सामने आ रहे हैं। पहलगाम हमले के समय हमने जो देखा, उसमें लोग कलमा पढ़ते थे और सिंदूर लगाते थे। जैसे ही पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर चलाना जरूरी हुआ, वैसे ही नया नगर में भी ऑपरेशन सिंदूर चलाने का समय आ गया है। नया नगर में जिहादी मानसिकता वाले लोगों को खत्म करना जरूरी है।

भारत हिंदू राष्ट्र दिल्ली के जामिया विश्वविद्यालय में आरएसएस के कार्यक्रम के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री नितेश राणे के विरोधियों की आलोचना की और ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के अधिकार का समर्थन किया। राणे ने कहा कि मुझे लगता है कि वे भूल गए हैं कि हमारा देश एक हिंदू राष्ट्र है। इसीलिए उनमें से हर एक में एक राष्ट्रवादी संगठन है, जिसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कहा जाता है। हमारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गठन को 100 साल हो गए हैं। आज राष्ट्रवाद का असली उदाहरण आरएसएस है।

मीरा रोड के नया नगर में जुबेर अंसारी द्वारा हमला किए गए मामले की जांच एटीएस को सौंप दी गई है। एटीएस ने जुबेर के घर की तलाशी ली है, जहां पर आईएसआईएस, इस्लामिक, और लोन वुल्फ जैसे विषयों से जुड़े साहित्य भी पाए गए हैं। जुबेर के माता-पिता अभी भी अमेरिका में हैं। सरकारी महकमा आधिकारिक तौर पर जानकारी एंबेसी के जरिए देने की व्यवस्था कर रहा है।

संकट में दिल्ली का 'द ललित' होटल,

NDMC को चुकाना पड़ेगा ? 1,063 करोड़ या लाइसेंस होगा रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। के 'द ललित' होटल से जुड़ा ? 1,063 करोड़ का लाइसेंस फीस विवाद अब बड़ा कानूनी मोड़ ले चुका है. दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यू दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (NDMC) के फैसले को सही ठहराते हुए लाइसेंस कैंसिलेशन को वैध माना है. राजधानी दिल्ली के बाराखंभा लेन स्थित 'द ललित होटल', जो दशकों से लग्जरी हॉस्पिटैलिटी का बड़ा नाम रहा है, अब एक बड़े कानूनी और वित्तीय विवाद के केंद्र में आ गया है. दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अप्रैल 2026 को अपने अहम फैसले में न्यू दिल्ली म्युनिसिपल कार्उंसिल (NDMC) के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसमें भारत होटल्स लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था और करीब 1,063 करोड़ के बकाये लाइसेंस शुल्क की मांग की गई थी. इस प्रतिष्ठित होटल चेन की नींव मशहूर उद्योगपति ललित सूरी ने 1980 के दशक में रखी थी. 1988 में नई दिल्ली में 444 कमरों वाला यह होटल शुरू हुआ, जिसने राजधानी के प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नई पहचान बनाई. बाद में भारत होटल्स लिमिटेड ने श्रीनगर, गोवा, मुंबई, बेंगलुरु, उदयपुर और खजुराहो सहित कई शहरों में अपने होटल चेन का विस्तार किया. 2000 के दशक तक यह नेटवर्क 1,600 से अधिक कमरों तक पहुंच गया. साल 2006 में ललित सूरी के निधन के बाद कंपनी की कमान उनकी पत्नी ज्योत्सना सूरी ने संभाली. उनकी लीडरशिप में ग्रुप ने 'द ललित' ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया और देश-विदेश में लक्जरी होटल चेन के रूप में अपनी पहचान मजबूत की.

विवाद की जड़ में जमीन और लाइसेंस

यह पूरा विवाद बाराखंभा लेन स्थित 6.0485 एकड़ जमीन से जुड़ा है. 1973 में भारत सरकार ने यह जमीन एनडीएमसी को सौंपी थी. इसके बाद 1982 में एनडीएमसी और भारत होटल्स लिमि?टेड के बीच 99 साल का लाइसेंस एग्रीमेंट हुआ, जिसके तहत 5-स्टार होटल के निर्माण और संचालन की अनुमति दी गई थी.एग्रीमेंट में 33 साल बाद लाइसेंस फीस में संशोधन का प्रावधान था. इसके तहत एनडीएमसी ने 13 फरवरी 2020 को नोटिस जारी कर करीब 1,063.74 करोड़ की मांग की. भुगतान न होने पर लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसे भारत होटल्स लिमिटेड ने अदालत में चुनौती दी. एनडीएमसी के पक्ष में कोर्ट का फैसला मामला पहले दिल्ली हाई कोर्ट के सिंगल बेंच में गया, जहां भारत होटल्स लिमिटेड को राहत मिली थी. लेकिन बाद में दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की डिवीजन बेंच ने एनडीएमसी के पक्ष में फैसला सुनाया.

ग्वालियर में चोरी करने आए युवक का हाथ खिड़की में फंसा, पूरी रात वहीं पर खड़ा रहा, सुबह ले गई पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। के दीनदयाल नगर में चोरी करने घुसे एक चोर का हाथ खिड़की में फंस गया। इसके बाद पूरी रात उसे वहीं पर खड़ा रहना पड़ा है। सुबह में मकान मालिक ने पुलिस के सूचना दी तो उसका हाथ निकला है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सूने घर में चोरी करने के लिए चोर घर में घुसा था। चोरी के प्रयास के दौरान चोर का हाथ खिड़की के जाल में फंस गया। वहीं, रात भर चोर हाथ निकालने की कोशिश करता रहा लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। ऐसे में चोर रात भर वही पर खड़ा रहा।

पूरी रात हाथ निकालने की कोशिश करता रहा

वहीं, चोर रात भर अपना हाथ निकालने की कोशिश करता रहा, लेकिन जब बात नहीं बनी तो रात भर चोर वहीं पर खड़ा रहा। सुबह मकान मालिक के आने पर चोर ने पूरी बात बताई। इसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को बुलाया और चोर को ग्वालियर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्वालियर के दीनदयाल नगर का है मामला यह पूरा घटनाक्रम ग्वालियर के दीनदयाल नगर का है। जानकारी के अनुसार दीनदयाल नगर में राकेश यादव का मकान बन रहा है। रोज की तरह 26 अप्रैल की रात को भी राकेश यादव अपने निर्माणाधीन मकान में ताला लगाकर चले गए। 26 अप्रैल की रात को ही एक चोर मकान में चोरी करने की नीयत से घुस गया। जब यह चोर खिड़की के जाल में हाथ डालकर दरवाजे की कड़ी खोलने की कोशिश करने लगा, तभी उसे एहसास हुआ कि उसका हाथ खिड़की के जाल में फंस गया है।

ये है पूरा मामला

ग्वालियर के दीनदयाल नगर में चोरी करने आया था चोर सूने घर में सामान चुराने घुसा चोर खिड़की में फंस गया हाथ तो पूरी रात नहीं निकला चोर का नाम नरेश और वह मुरार का रहने वाला है खिड़की में फंस गया हाथ चोर ने अपने हाथ को जाल से बाहर निकालने की कड़ी मशक्कत की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिल सकी। हालत यह हो गए कि चोर का हाथ चोटिल हो गया लेकिन उसका हाथ खिड़की के जाल से बाहर नहीं निकल सका। मजबूरी में चोर को खिड़की पर हाथ फंसा कर खड़े रहना पड़ गया। रात भर चोर वहीं खड़ा रहा।

MP में मानवता शर्मसार! घायल को हॉस्पिटल लाने के एवज में मांगे पैसे, पत्नी से धुलवाई एंबुलेंस

कटनी। जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है. जहां एक ओर सड़क हादसे में घायल मरीज जिंदगी और मौत से जूझ रहा था तो वहीं दूसरी ओर 108 एंबुलेंस का कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी भूलकर इंसानियत को तार-तार करता नजर आया. आरोप है कि कर्मचारी ने न सिर्फ मरीज के परिजनों से पैसे लिए बल्कि गाड़ी गंदी होने पर उन्हीं से एंबुलेंस की सफाई भी करवाई. अब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. जिसके बाद कटनी जिला अस्पताल के सिविल सर्जन ने 108 ड्राइवर को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है.

जानकारी के मुताबिक कटनी जिले के ग्राम करेला के पास हुए सड़क हादसे में 32 वर्षीय राहुल बर्मन सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे. जिन्हें 108 एंबुलेंस वाहन से जिला अस्पताल लाया गया था. अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जब उनकी हालत नाजुक बनी रही तो डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया. इसी दौरान कटनी जिला अस्पताल परिसर में मौजूद 108 एंबुलेंस के कर्मचारी जिसका नाम मोहित बताया जा रहा है उसने अपनी जिम्मेदारियों को दरकिनार करते हुए मरीज के परिजनों के साथ अमानवीय व्यवहार किया. जिसका वीडियो किसी ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. मामले में 108 प्रभारी और ड्राइवर को जारी किया गया नोटिस वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक महिला परिजन एंबुलेंस को धोती नजर आ रही है. जबकि मौके पर मौजूद कर्मचारी खड़ा होकर यह सब होता देख रहा है. यह दृश्य न सिर्फ स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है बल्कि 108 जैसी जीवनरक्षक सेवा पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है. घटना के सामने आने के बाद लोगों में गुस्सा साफ देखा जा रहा है. सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या अब अस्पतालों में इलाज के साथ-साथ परिजनों को ऐसी जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी? क्या आपातकालीन सेवाएं अब आम लोगों के लिए बोझ बनती जा रही हैं? वही पूरे मामले पर कटनी जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा ने बताया कि सोशल में वायरल हुआ वीडियो हमारे पास आया है. जिसे संज्ञान लेते हुए 108 प्रभारी और एंबुलेंस ड्राइवर को नोटिस जारी करते हुए 1 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है, उचित जवाब न मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

मैं कार की बीच वाली सीट पर थी, पापा के दोस्त गंदी हरकत करने लगे', बच्ची ने की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। में एक नाबालिग लड़की (15) को ब्लैकमेल करने और धमकाने का सनसनीखेज मामला देखने को मिला है. खुद पिता के दोस्त ने ही नाबालिग लड़की को शिकार बनाने की कोशिश की. लेकिन लड़की ने हिम्मत जुटाकर चाइल्ड लाइन पर शिकायत दर्ज करा दी. शिकायत के बाद चाइल्ड लाइन की टीम ने पुलिस की मदद से लड़की को उसके घर से बरामद करने के बाद वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया है. पीड़ित लड़की ने चाइल्ड लाइन की टीम को आपबीती सुनाते हुए कहा, ''मैं अपनी छोटी बहन, पिता और दादी के साथ गुना में रहती हूं. मम्मी-पापा की लड़ाई होती थी, इसलिए 8 साल पहले वह हमें छोड़कर ग्वालियर चली गईं. पिता शराब पीने के आदी थे. उनके दोस्तों का घर पर आना जाना बना रहता था. फिरोज खान चाचा भी पापा के साथ घर पर आते थे. अंकल जब भी घर पर आते तो मुझे घूरते रहते थे . 25 दिसंबर 2025 को फिरोज चाचा, उनकी पत्नी, बच्चे, मेरे पापा, मेरी बहन और एक अंकल हम सभी लोग कोटा (राजस्थान) गए थे. फिरोज चाचा ने कोटा में अपनी पत्नी और बच्चे को छोड़ दिया और हम लोग वापस लौट आए. जब हम रास्ते में लौट रहे थे तो मैं और फिरोज चाचा गाड़ी की बीच वाली सीट पर बैठे थे. पापा और उनके दोस्त आगे वाली सीट पर. मेरी छोटी बहन पीछे वाली सीट पर अकेली बैठी थी. तभी फिरोज चाचा ने गंदी नीयत से मेरी छाती को दबाया और कमर में हाथ डाला जिससे मैं घबरा गई. मैंने पापा से बोलकर गाड़ी रुकवाई और अपनी बहन के साथ पीछे वाली सीट पर जाकर बैठ गई. गुना पहुंचने के बाद इस घटना से मैं मानसिक तौर पर उबर नहीं पाई. पापा के दोस्त फिरोज चाचा घर पर आते तो मुझे धमकाते थे. कहते थे कि जब तू नहा रही थी, तब तेरा वीडियो बना लिया था, अगर मेरी बात नहीं मानी तो तेरा वीडियो वायरल कर दूंगा. तू कहीं की नहीं रहेगी. फिरोज चाचा मुझ पर बार बार दबाव बनाते थे जिससे मैं बुरी तरह डर गई थी. मैं ये बात किसी को बता नहीं पा रही थी. मेरी छोटी बहन भी मेरी हालत देखकर परेशान थी.

चाचा भतीजे का इंटरस्टेट गैंग... ई-रिक्शा और ऑटो में महिलाओं से करवाते थे चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में ग्वालियर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां ई-रिक्शा, बस और ऑटो में महिलाओं को निशाना बनाकर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया गया है. पुलिस ने गैंग के सरगना समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 8 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं. यह गैंग मुरैना के चाचा-भतीजे द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो राजस्थान, दिल्ली और आगरा की विधवा व आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर वारदातों में शामिल करते थे. गैंग बेहद शातिर तरीके से काम करता था. सार्वजनिक वाहनों में महिलाओं के पास बैठकर झटके का फायदा उठाते हुए उनके पर्स और बैग से गहने व नकदी चोरी कर लेती थीं और अगले स्टॉप पर फरार हो जाती थीं. पुलिस ने CCTV और मोबाइल लोकेशन के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुरैना और बानमोर में दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा. पूछताछ में सामने आया कि गैंग ने ग्वालियर समेत कई जिलों और राज्यों में दर्जनों वारदातों को अंजाम दिया है. फिलहाल पुलिस आरोपियों से रिमांड पर पूछताछ कर रही है और चोरी के सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं. पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यात्रा के दौरान सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें. दरअसल ग्वालियर रेंज में लगातार ई-रिक्शा और ऑटो में हो रही चोरी की वारदातों से पुलिस परेशान थी. डबरा में एक महिला यात्री के पर्स से गहने और नगदी चोरी की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की. CCTV फुटेज खंगालते हुए पुलिस डबरा बस स्टैंड पहुंची. वहां संदिग्ध दो महिलाओं को फरियादी ने पहचान लिया. पुलिस ने दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उनके मोबाइल की जांच की. मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने बानमोर और मुरैना में दबिश दी. यहां से गैंग के सरगना वकीला उर्फ सोनू, ललित उर्फ सोनू, गुड्डू आदिवासी समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया.,महिला यात्रियों को करते थे टार्गेट पूछताछ में सामने आया कि गैंग को मुरैना के चाचा-भतीजे संचालित कर रहे थे. सरगना ने बानमोर में एक मकान किराए पर ले रखा था. वहीं गैंग की महिलाओं को रखा जाता था. गैंग में राजस्थान, दिल्ली और आगरा की विधवा व आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को शामिल किया गया था. इन्हें रोजाना ग्वालियर, शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, आगरा और दिल्ली तक वारदात के लिए भेजा जाता था।

पटरियों तक पहुंची खेत में लगी आग, खतरा देख लोको पायलट ने 4 किलोमीटर उल्टी दौड़ा दी ट्रेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। पटरियों पर दौड़ती एक पैसेंजर ट्रेन और उसके सामने धधकती आग। मंजर ऐसा कि पलक झपकते ही ट्रेन आग के गोले में तब्दील हो सकती थी। लेकिन तभी लोको पायलट ने वह किया जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। उसने बिना वक्त गंवाए ट्रेन में रिवर्स गियर डाला और करीब 4 किलोमीटर तक गाड़ी को पीछे ले गया। यह फिल्मी सीन नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले का मामला है, जिसमें सैकड़ों यात्रियों की जान पर बन आई थी।

आसमान में छा गया काला धुआं

सोमवार दोपहर करीब 12:45 बजे, मक्सी-रुठियाई सेक्शन पर बीना-नागदा पैसेंजर अपनी रफ्तार में थी। तभी ब्यावरा-राजगढ़ और पचोर स्टेशनों के बीच अचानक खेतों में लगी अवैध पराली की आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवाओं ने आग की लपटों को सीधे रेलवे ट्रैक की ओर धकेल दिया। लोको पायलट ने देखा कि सामने ट्रैक पूरी तरह लपटों की चपेट में आ चुका है।

लोको पायलट ने लगा दिया रिवर्स गियर

आमतौर पर ट्रेनें पटरी पर आगे बढ़ती हैं, लेकिन यहां मौत सामने खड़ी थी। लोको पायलट ने तुरंत समझदारी का परिचय देते हुए ट्रेन को पीछे की ओर चलाना शुरू किया। करीब 4 किलोमीटर तक ट्रेन उल्टी दिशा में दौड़ती रही, जब तक कि यात्री सुरक्षित दायरे से बाहर नहीं निकल गए। इस दौरान पीछे आ रही साबरमती एक्सप्रेस (गुना-अहमदाबाद) को भी तुरंत ब्यावरा स्टेशन पर रोक दिया गया। लोको पायलट ने आग को ट्रैक की ओर बढ़ते देख ट्रेन को पीछे ले जाने का बिल्कुल सही फैसला लिया। उनकी इस सूझबूझ ने सैकड़ों यात्रियों को गंभीर खतरे
से बाहर निकाला। उन्हें इस वीरता के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। नवल अग्रवाल, PRO, भोपाल रेल मंडल 4 बजे तक ठप रहा रेल यातायात आग इतनी भीषण थी कि ब्यावरा, पचोर, नरसिंहगढ़ और खिलचीपुर से दमकल की गाड़ियां बुलानी पड़ीं। दोपहर 4 बजे तक रेल यातायात पूरी तरह ठप रहा। चिलचिलाती धूप और ऊपर से पास में धधकती आग की वजह से ट्रेन के डिब्बे भट्टी की तरह तप रहे थे।

15 अगस्त तक मराठी न आने पर कैंसिल नहीं होगा लाइसेंस, सिखाई जाएगी भाषा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों को अगर मराठी नहीं आती है, तो तुरंत उनका लाइसेंस और परमिट नहीं कैंसिल किया जाएगा। लेकिन उन्हें मराठी सीखना अनिवार्य होगा। मंगलवार को परिवहन डिपार्टमेंट ने राज्य में रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा ज़रूरी करने के फैसले को, असरदार तरीके से लागू करने के लिए 1 मई से 15 अगस्त तक स्पेशल वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने का फैसला लिया है। इसके तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले और गैर-कानूनी ट्रांसपोर्ट करने वाले ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, सिर्फ मराठी न जानने के आधार पर लाइसेंस कैंसिल नहीं किया जाएगा, बल्कि दूसरे कानूनी नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

100 दिन के कैंपेन के बाद रिपोर्ट

इस ड्राइव की लीडरशिप एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर रवींद्र गायकवाड़ की अध्यक्षता में बनी एक कमेटी को सौंपी गई है। इस मामले पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि 100 दिन के कैंपेन के बाद, 16 अगस्त को एक पूरी रिपोर्ट जमा की जाएगी और उसी के अनुसार आगे के पॉलिसी के फैसले लिए जाएंगे। राज्य के 59 RTO को दिए गए निर्देश इस विषय में बात करते हुए परिवहन मंत्री ने कहा कि सोमवार को रिक्शा-टैक्सी ऑर्गनाइजेशन के रिप्रेजेंटेटिव के साथ हुई मीटिंग में, सभी ऑर्गनाइजेशन ने मराठी भाषा ज़रूरी करने के फैसले पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है और पूरा सपोर्ट दिखाया है। उन्होंने यह बात मान ली है कि 'अगर महाराष्ट्र में बिज़नेस करना हैं, तो मराठी भाषा ज़रूरी है।' राज्य के सभी 59 RTO को 1 मई से एक खास इंस्पेक्शन कैंपेन चलाने का निर्देश दिया गया है।

ऐसा बर्थ डे मनाया कि सड़क पर लगा दी आग, वायरल हुआ वीडियो तो हुआ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरेगांव। मुंबई के गोरेगांव में जन्मदिन मनाने के नाम पर किया गया खतरनाक स्टंट चर्चा में है, जहां युवक ने सड़क पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. इस घटना ने सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. महाराष्ट्र में मुंबई के गोरेगांव इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां जन्मदिन मनाने के नाम पर एक युवक ने ऐसा खतरनाक स्टंट किया, जिसने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. जानकारी के अनुसार, यह घटना 25 अप्रैल 2026 की रात की है. गोरेगांव (पश्चिम) स्थित राम मंदिर रोड के सोमानी ग्राम इलाके में रहने वाले 33 वर्षीय फहद खलील समशुद्दीन शेख ने अपने जन्मदिन के मौके पर सड़क पर पेट्रोल छिड़ककर उसमें आग लगा दी. बताया जा रहा है कि यह सब एक वीडियो रील बनाने के लिए किया गया था, जिसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाना था. मामले की जानकारी मुंबई पुलिस को उस समय मिली, जब पुलिस आयुक्त के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर इस घटना की शिकायत की गई. शिकायत मिलते ही स्थानीय पुलिस और बीट मार्शल मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. जांच में सामने आया कि आरोपी ने आधी रात के करीब सड़क पर पेट्रोल डालकर आग लगाई, जिससे आसपास मौजूद लोगों और वाहनों को खतरा पैदा हो सकता था. पुलिस ने इस कृत्य को बेहद लापरवाह और खतरनाक मानते हुए तुरंत कार्रवाई की.

ई-रिक्शा से वोट डालने पहुंचीं महुआ मोइत्रा, बोलीं— लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान कर चुनाव को 'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई' बताया। नदिया जिले के करीमपुर गर्ल्स हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की। मोइत्रा ई-रिक्शा (टोटो) से मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें मोटरसाइकिल से आने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए उन्हें वैकल्पिक साधन का उपयोग करना पड़ा। मतदान के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार, 'करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और जो लोग सूची में हैं, वे इस बार 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। इसी वजह से मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता इस बार 'बदले की भावना' के साथ वोट कर रही है और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग को जवाब देगी। मोइत्रा ने इसे सीधे तौर पर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा। मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं। यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, 16 राउंड फायरिंग से दहशत

पुणे (एजेंसी)। पूना के देहूरोड इलाके में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज घटना में भाजपा कार्यकर्ता रमेश रेड्डी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सवाना चौक पर मौजूद रमेश रेड्डी पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने करीब 16 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली उनके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद देहूरोड क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

भाई की हत्या से जोड़कर देखी जा रही वारदात

मीडिया रिपोर्ट में प्राथमिक जानकारी से खुलासा हुआ है कि रमेश रेड्डी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उनका नाम कुछ विवादित गतिविधियों में भी सामने आता रहा है। मटका कारोबार से जुड़े होने की चर्चा भी है, हालांकि फिलहाल यह कारोबार बंद बताया जा रहा है। इस हत्या का संबंध पिछले वर्ष उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की मौत जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में हुई थी। उस मामले में आरोपी अभी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिली है। इसके बावजूद पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या किसी समझौते को लेकर विवाद इस नई घटना की वजह बना।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गईं और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने फ्लैट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हालांकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से बड़ी जनहानि टल गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग बुझाने के साथ ही प्रभावित बिल्डिंग को ठंडा करने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच में आग 9वीं मंजिल से शुरू होने की बात सामने आई है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या कोई कारण रहा अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

राजनाथ का बयान, आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को 'शर्मनाक क्लीन चिट'

अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी के इशारे पर दिया गया बयान

नागपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) के सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को ÷शर्मनाक क्लीन चिट÷ दे दी। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह रुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका को संतुष्ट करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण दिखाने की कोशिश हो रही है।

दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने एससीओ सम्मेलन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और अब आतंकवाद के केंद्रों को सजा से छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता और किसी भी प्रकार की शिकायत—चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक—आतंकवाद को सही ठहराने का आधार नहीं बन सकती।

रक्षा मंत्री सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और निर्देश पर दिया गया है और इस बयान से पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है, क्या वहां भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं, और क्या भारत-विरोधी विचारधारा को वहां बढ़ावा नहीं मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मुंबई आतंकी हमला 2008 और पहलगाम से जुड़े आतंकी हमलों की साजिश में भी पाकिस्तान से जुड़े तत्वों की भूमिका रही है।

कांग्रेस नेता ने तुलना की कि यह स्थिति जून 2020 जैसी है, जब भारत-चीन तनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उनके अनुसार, उस समय भी चीन को ÷क्लीन चिट÷ देने का आरोप लगा था। कुल मिलाकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कमजोर रुख अपनाने का आरोप लगाया है, जबकि मोदी सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बंगाल चुनाव : बीजेपी के ईवीएम बटन पर टेप लगाया, सुवेंदु चोर के लगे नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण की 142 सीटों पर मतदान जारी है। दोपहर एक बजे तक 61.11फीसदी वोट डाले जा चुके थे। वोटिंग के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं सामने आई। बीजेपी का आरोप है कि डायमंड हार्बर के फाल्टा में ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप लगाकर ब्लॉक किया गया। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा चुनाव होंगे।

फाल्टा में सुरक्षाकर्मियों ने हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर उनकी कार का शीशा तोड़ने का आरोप लगाया। उनके सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनने की कोशिश भी की गई। वहीं भवानीपुर में सीएम ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर टीएमसी समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु पोलिंग बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93फीसदी मतदान हुआ है। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी एक विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बूथों पर ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पूरे विधानसभा क्षेत्र में ही दोबारा मतदान कराया जाएगा। आरामबाग से टीएमसी सांसद मिताली बाग व्हीलचेयर पर वोट देने पहुंची। 27 अप्रैल को मिताली बाग ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कार पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लोगों की भीड़ देख साफ हो गया कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा

-बीजेपी नेता मिथुन ने डाला वोट कहा-बंगाल में बदलाव की आने वाली है बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में बुधवार को सात जिलों की 142 सीटों पर सुबह से ही मतदान जारी है और आम लोगों से लेकर मंत्री और सांसद भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। इसी बीच अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती भी अपना वोट डालने पहुंचे और साफ किया कि इस बार बंगाल में बदलाव की बाढ़ आने वाली है। वोट देने के बाद मिथुन ने विश्वास दिलाया कि चुनाव पूरे निष्पक्ष तरीके से हो रहे हैं और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। वोटिंग शेयर बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोगों की भीड़ देख रहा हूं, उससे साफ है कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा और वोटिंग 90 फीसदी से भी ज्यादा होगी। अगर ऐसा हुआ तो समझ लेना परिवर्तन होने वाला है, लेकिन जीत की घोषणा होने से पहले मैं कुछ नही कहूंगा क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती भले ही इस बार चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि फिलहाल वे चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। मिथुन लगातार मंचों से टीएमसी पर जमकर निशाना साध रहते रहे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर बंगाल में दोबारा टीएमसी आ जाती है तो उनका और बाकी हिंदुओं का बंगाल में रहना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें अपने रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अपने हालिया बयान में अभिनेता ने टीएमसी पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया था। बंगाल में मछली-मांस बंद करने के आरोपों को खारिज करते हुए मिथुन ने कहा कि देश के कई राज्य हैं, जहां मछली-मांस खाया जा रहा है। देश में विशेष और धार्मिक पशु गाय के मांस को बेचने और खाने पर पाबंदी है। किसी भी राज्य में मछली-मांस खाने पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है। टीएमसी के पास कोई और तरीका नहीं बचा है और वे अब भ्रामक प्रचार फैलाकर जनता को परेशान करना चाहती है।

तुर्की के दुश्मन देश ग्रीस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाने में जुटा भारत

ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट बंदरगाह भारतीय कंपनी को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के दोस्त देश ग्रीस से एक बड़ी खबर सामने आई है। ग्रीस का वहां बंदरगाह जो पूरे यूरोप की धड़कन कहा जाता है। अब भारत की मुट्ठी में आने वाला है। खबर है कि ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट अब एक भारतीय कंपनी के अधिकार क्षेत्र में है। भारत की दिग्गज कंपनी बंदरगाह पोलीपोट को खरीदने या इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने ग्रीस सरकार के साथ बातचीत कर रही है। यह डील सिर्फ बिजनेस के लिहाज से नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को सात समंदर पार स्थापित करने के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है। पोलीपोर्ट की अहमियत को समझने के लिए इसकी लोकेशन बहुत जरुरी है। यह बंदरगाह बुल्गारिया, रोमानिया और यूक्रेन जैसे देशों के बिल्कुल करीब है। जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है। तब से यह पोर्ट पूरे यूरोप के लिए लाइफ लाइन बन गया है। नाटो देशों के टैंक हो, हथियार हो या फिर अनाज और गैस की सप्लाई हो सब कुछ इसी रास्ते से यूरोप के अंदर जा रहा है। और इसकारण कल तक जिस बंदरगाह को ग्रीस सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताकर बेचने से रोक दिया था। आज वहीं इसकी चाबी भारत को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सबसे बड़ा एंगल चीन और

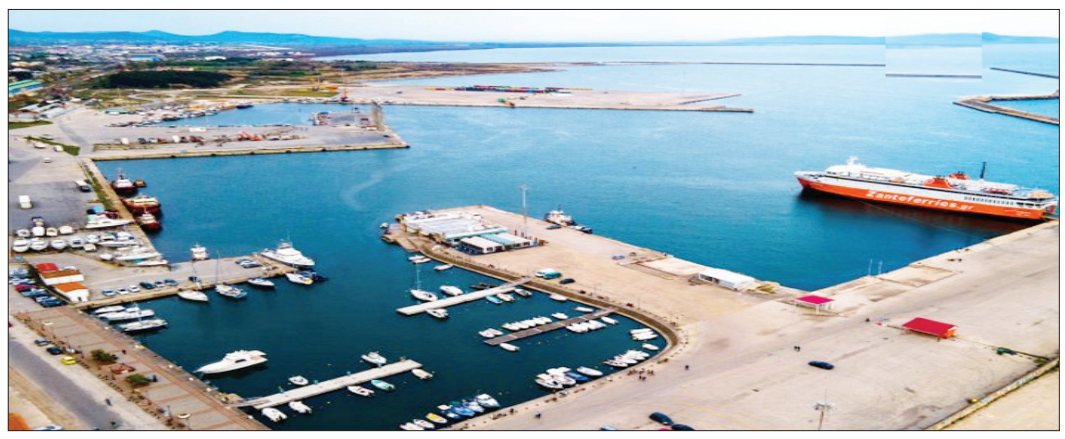

तुर्की का है। ग्रीस का सबसे प्रमुख बंदरगाह पीरियस वर्तमान में पूरी तरह चीन की कंपनी कॉस्को के नियंत्रण में है। ग्रीस और बाकी यूरोपीय देश इस बात को लेकर परेशान है कि अगर उनके सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर चीन का कब्जा रहा, तब भविष्य में उनकी स्वायता खतरे में आ सकती है। भारत की एंट्री ने ग्रीस को एक भरोसेमंद विकल्प दिया है। भारत की छवि एक इसतरह के देश की है जो बिजनेस करता है लेकिन दूसरे देशों की जमीन या संप्रभुता पर कब्जा नहीं करता। वहीं तुर्की की ग्रीस से दुश्मनी किसी से नहीं छुपी और जब तुर्की पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है। भारत का ग्रीस में होना तुर्की को बहुत खटकने वाला। भारत के लिए यह बंदरगाह एक गोल्डन गेट की तरह है क्योंकि भारत काफी समय से इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर आईएमसी पर काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के सामान को अरब देशों के रास्ते सीधे यूरोप पहुंचाना है।

एलेक्जेंड्रो पोलीपोट कॉरिडोर का वहां आखिरी पड़ाव हो सकता है जहां से भारतीय माल पूरे यूरोप के बाजारों में फैल जाएगा। इससे ना सिर्फ भारत का निर्यात बढ़ेगा बल्कि स्वेज नहर जैसे रास्तों पर भारत की निर्भरता भी कम हो जाएगी। वहीं पोर्ट पर भारत का होना मतलब यूरोप की सप्लाई चेन और सुरक्षा के समीकरणों में भारत की परमानेंट सीट पक्की होगी। ग्रीस कैन रिपोर्ट्स पर जहां रूस और अमेरिका जैसे देशों की नजरें टिकी हैं। वहीं एलेक्जेंड्रो पोली में भारत की दावेदारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। यह डील भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा है जिसमें हम सिर्फ अपने पड़ोस तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

'डिजिटल अरेस्ट' पर सख्ती: ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खाते ब्लॉक करने की तैयारी

सिम सत्यापन से लेकर बैंकिंग निगरानी तक कड़े उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर ठगी के मामलों पर अब केंद्र की मोदी सरकार ने सख्त रुख दिखाया है। इस बढ़ते खतरे को देखकर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने सहित कई कड़े कदमों का खाका तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, समस्या से निपटने के लिए दूरसंचार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों को एक साथ काम करने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

दूरसंचार क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में देखने को मिलेगा। मोदी सरकार 'बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली' को अनिवार्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे फर्जी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर रोक लग सके। इसके अलावा, सिम सक्रियण से जुड़े पॉइंट ऑफ सेल (पीएसओ) एजेंटों के लिए भी कड़े सत्यापन और जवाबदेही नियम लागू किए जाएंगे।केंद्र की सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट में प्रस्ताव है कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सिम कार्डों को तुरंत ब्लॉक करे। साथ ही, दूरसंचार कंपनियों को जांच एजेंसियों के साथ रियल-टाइम डेटा साझा करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि अपराधियों तक तेजी से पहुंचा जा सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी मोदी सरकार सतर्क है। रिपोर्ट में व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के लिए 'सिम-बाइंडिंग' और उन्नत सुरक्षा तंत्र लागू करने की बात की गई है। इसके तहत संदिग्ध कॉल्स और लंबी धोखाधड़ी वार्ताओं की पहचान कर उन्हें रोका जा सकेगा। साथ ही, स्कैम में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में, मोदी सरकार ने बैंक खातों पर तत्काल कार्रवाई के लिए नई व्यवस्था सुझाई है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने का प्रावधान लागू किया जाएगा। इससे धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम में अपराधी खुद को पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और जुर्माना या सुरक्षा फीस के नाम पर पैसे ठगते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में इस तरह के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसका शिकार आम नागरिकों से लेकर अधिकारी और बुजुर्ग तक हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाई

-नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके वकील यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि आसाराम का इलाज

अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर किया था। बता दें नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत दी गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर वकील ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

क्रूड ऑयल की किल्लत से अब भारत में सड़क बनाना भी हुआ मुश्किल

-ईरान ने होर्मुज को कर रखा है बंद तो अमेरिका ने कर रखी है नाकाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका की बीच दूसरे चरण की वार्ता ना होने से तेल बाजार एक बार फिर उछाल आया। एक उम्मीद जगी थी कि शायद जल्द ही होर्मुज खुल जाए। हालांकि अब इसका कोई रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में ब्रेंट ऑइल की कीमतें 2.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 107.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान की तरफ से ट्रंप के सामने एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसमें कहा गया है कि होर्मुज खोलने को लेकर पहले बात होनी चाहिए और परमाणु मुद्दे पर बात बाद में भी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो अमेरका और ईरान के बीच युद्धविराम चल रहा है लेकिन होर्मुज का रास्ता अब भी बंद है। एक तरफ अमेरिका ने नाकेबंदी कर रखी है। इसी वजह से ईरान भी होर्मुज को खोलने को तैयार नहीं है। इसके चलते उर्वरक, प्राकृतिक गैस, फ्यलू और कच्चे तेल की सप्लाई ठप हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर स्थितियां ऐसी ही बनी रहीं तो आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतों में और इजाफा होगा। वहीं पेट्रोल और डीजल की किल्लत बढ़ सकती है।

लाइव लॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऊंची तेल कीमतें सबसे अहम आर्थिक कारक हैं, क्योंकि इससे महंगाई, रुपए और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से यूपी में सड़कों के निर्माण के लिए डामर (बिटुमिन) का संकट गहरा गया है। इसका असर हमीरपुर जिले में लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजनाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। कई सड़कें अधर में लटक गई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर क्रूड ऑयल से तैयार होता है और भारत में इसके लिए ईरान समेत अन्य देशों से कच्चे तेल का आयात किया जाता है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से इसकी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

उन्होंने बताया कि जब ठेकेदारों ने टेंडर डाले थे, उस समय डामर की कीमत करीब 42 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन थी, लेकिन अब जीएसटी समेत यह बढ़कर करीब एक लाख रुपए प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। डामर की कीमतों में इस भारी वृद्धि से ठेकेदारों में हड़कंप मचा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

यूएई का ऐलान, एक मई से ओपेक और 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा

उत्पादन प्रतिबंधों के कारण यूएई असहज कर रहा था महसूस

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था। यूएई तेजी से पश्चिम एशिया में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जो समय के साथ रियाद के कुछ रुख के विपरीत रही है। ऐसा खासतौर से तब शुरू हुआ जब सऊदी अरब ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में खुद को दुनिया के लिए खोला और विदेशी निवेश आकर्षित करने के मामले में सीधे तौर पर अमीरात को चुनौती देना शुरू किया। यूएई ने यह घोषणा अपनी सरकारी समाचार एजेंसी के जरिए की। इसमें कहा गया है कि यह निर्णय यूएई के दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक नजरिये तथा बदलते ऊर्जा परिदृश्य को दर्शाता है, जिसमें घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेज निवेश शामिल है। यह वैश्विक ऊर्जा बाजारों में एक जिम्मेदार, विश्वसनीय और भविष्योन्मुखी भूमिका के लिए इसकी प्रतिबद्धता को भी पुष्ट करता है। यूएई ने कहा कि संगठन से बाहर निकलने के बाद, यूएई जिम्मेदारी से काम करना जारी रखेगा मांग और बाजार की स्थितियों के अनुरूप धीरे-धीरे और नपे-तुले तरीके से बाजार में अतिरिक्त उत्पादन लाएगा। वियना स्थित तेल गठबंधन ओपेक में लंबे समय से सऊदी अरब की प्रभावी भूमिका रही है। हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि करने से इस संगठन की बाजार शक्ति में कुछ कमी देखी गई। सऊदी अरब और यूएई के बीच आर्थिक मुद्दों और क्षेत्रीय राजनीति, विशेष रूप से लाल सागर क्षेत्र को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। दोनों देश 2015 में यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने के लिए एक गठबंधन में शामिल हुए थे। दिसंबर के अंत में यह गठबंधन आपसी आरोपों के बीच टूट गया।

नई रेंज रोवर स्पोर्ट ऑटोबायोग्राफी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय ग्राहकों के लिए जैगुआर लैंड रोवर ने अपनी वर्ष की नई रेंज रोवर स्पोर्ट ऑटोबायोग्राफी लॉन्च कर दी है। इस लग्जरी कार की शुरुआती कीमत 1.60 करोड़ रुपये है। कंपनी ने पहली बार इस टॉप मॉडल को भारत में ही असेंबल करने का फैसला लिया है, जिससे इसकी उपलब्धता और पहुंच पहले से बेहतर होगी। अब तक यह मॉडल पूरी तरह आयातित होता था, जिससे इसकी कीमत काफी अधिक रहती थी। इस कदम से ग्राहकों को बेहतर मूल्य और आसान उपलब्धता का लाभ मिलेगा, जो कंपनी की भारत में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह शानदार एसयूवी दो इंजन विकल्पों के साथ पेश की गई है, जिसमें 3.0 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन शामिल हैं, जिन्हें देश में ही असेंबल किया जाएगा। हालांकि, अधिक ताकतवर 4.4 लीटर वी8 इंजन वाला संस्करण अभी भी पूरी तरह आयातित रूप में उपलब्ध रहेगा। वाहन में इलेक्ट्रॉनिक एक्टिव डिफरेंशियल, ब्रेकिंग के साथ टॉर्क वितरण प्रणाली, सभी पहियों की स्टीयरिंग, विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित ड्राइविंग प्रोग्राम और उन्नत एयर सस्पेंशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो बेहतर संतुलन, नियंत्रण और आराम प्रदान करती हैं। केबिन में प्रीमियम गुणवत्ता वाली चमड़े की सीटें, पूरी तरह विस्तारित चमड़े की सजावट, मालिश सुविधा और उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली एक शाही अनुभव देती हैं। कंपनी का मानना है कि स्थानीय असेंबली और विभिन्न इंजन विकल्प इसे अधिक ग्राहकों तक पहुंचाएंगे, जिससे भारत में लग्जरी वाहन बाजार में कंपनी की पकड़ मजबूत होगी। बुकिंग शुरू हो गई है। बाहरी डिज़ाइन में खास पहचान देने वाले बैज, लाल रंग के ब्रेक कैलिपर्स और 22 इंच के आकर्षक मिश्रधातु पहिए इसे भीड़ से अलग बनाते हैं। इसे नए ग्रे, मोती जैसे सफेद, काले और गहरे ग्रे रंगों में उपलब्ध कराया गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 609, निफ्टी 181 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 609.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,496.36 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 181.95 अंक उछलकर 24,177.65 पर रहा। आज कारोबार के दौरान वाहन और रियल्टी शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया। बीच के दौर में हालांकि मुनाफावसूली हावी होने से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी में , निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो शेयरों में तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी आई , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी मेटल में बढ़त रही जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर गिरे। निफ्टी के शेयरों में आईटीसी, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया, मारुति, भारती एयरटेल, टाटा कंज्यूमर, एमएंडएम और आयशर मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं इंडिगो, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। सुबह सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिले हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमशः 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा।

टाटा पंच और नेक्सन का जलवा, मार्च 2026 में एसयूवी सेगमेंट में शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जहाँ कंपनी की दो एसयूवी ने बिक्री में शीर्ष स्थान हासिल किया। टाटा पंच इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल बनकर उभरा, जिसने 20,977 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। पिछले साल मार्च की तुलना में इसमें 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई। दूसरे स्थान पर टाटा नेक्सन रही, जिसकी 19,810 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है। नेक्सन अपनी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक विकल्पों के कारण ग्राहकों में काफी लोकप्रिय है। मारुति सुजुकी ने भी इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। मारुति ब्रेजा 16,130 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रही, हालाँकि इसमें पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई। वहीं, मारुति फ्रॉन्क्स ने 15,540 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 14 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

सोने चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव ऊपर आये हैं। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,50,100 रुपये जबकि चांदी के भाव 2,38,350 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 693 रुपये बढ़कर 1,50,720 रुपये पर खुला। ये 1,51,527 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,49,993 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में भी बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 1,334 रुपये बढ़कर साथ 2,38,443 रुपये पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,37,345 रुपये था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के शीर्ष स्तर तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,611.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 4,608.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 72.98 डॉलर के भाव पर खुले जबकि पिछला बंद भाव 73.21 डॉलर था।

भारत दुनिया का आकर्षण है एक बार फिर दुनिया हमारे साथ है

डील पक्की करने अगले माह कनाडा जाएंगे उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है। 2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है। भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है।' उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से 'पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रॉस्पर' के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है। इस छूट में पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत और पारंपरिक ज्ञान उत्पाद शामिल हैं। गोयल ने कहा कि खेल उपकरण, डिजाइन, ऐप्स, मीडिया अधिकार या पारंपरिक ज्ञान में प्रत्येक नए

विचार को तुरंत पंजीकृत किया जाना चाहिए। सरकार इसके लिए समर्थन योजना भी लाएगी, जिसका ब्योरा जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य खेल में नवाचार और व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना है, जिसमें क्रिकेट, हॉकी, गेंदें, जिम उपकरण और सहायक उपकरण का निर्माण शामिल है।

50 से ज्यादा कंपनियां मार्च तिमाही के नतीजों का करेंगी ऐलान

वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वेदांता का प्रदर्शन रह सकता है मजबूत

नई दिल्ली।

बजाज फाइनेंस, अडाणी पावर, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, वारी एनर्जीज़ और वेदांता जैसी प्रमुख कंपनियां आज अपने मार्च तिमाही के नतीजों का एलान करेंगी। अन्य कंपनियों में एमफैसिस, फिनो पेमेंट्स बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज, जना स्मॉल फाइनेंस बैंक और फोर्स मोटर्स शामिल हैं। दलाल स्ट्रीट के विश्लेषकों का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वेदांता लिमिटेड का प्रदर्शन मजबूत रह सकता है। इसका मुख्य कारण लंदन मेटल एक्सचेंज पर एल्युमिनियम, जिंक और चांदी की अनुकूल कीमतें हैं। इन रुझानों से कारोबार क्षेत्रों में आय बढ़ने की संभावना है।विश्लेषकों ने उत्पादन लागत बढ़ने के दबाव की ओर भी संकेत दिया है, जो आपूर्ति बाधाओं के कारण बढ़ रहा है। ऐसे में प्रबंधन की मार्जिन और परिचालन दक्षता पर टिप्पणियां खास नजर में रहेंगी।

मेटल और माइनिंग क्षेत्र की यह कंपनी बुधवार को अपने वित्तीय नतीजे घोषित करेगी। बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा ट्रैक की जा रही ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि क्यू4 में वेदांता का मुनाफा बढ़ेगा। प्रॉफिट आफ्टर टैक्स में सालाना आधार पर 174 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिसे बेहतर प्राप्ति और विभिन्न खंडों में परिचालन सुधार का समर्थन मिलेगा।

एमजी विंडसर ने तोड़े बिक्री के रिकॉर्ड वित्त वर्ष 2026 में बनी नंबर-1 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में एमजी मोटर्स की कारों की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। बीते वित्त वर्ष 2026 में एमजी विंडसर ने कंपनी के सभी मॉडलों में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस दौरान कुल 46,720 एमजी विंडसर ग्राहकों तक पहुँची, जो वित्त वर्ष 2025 में बेची गई 19,394 यूनिट्स के मुकाबले 141 प्रतिशत की भारी सालाना वृद्धि दर्शाती है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर एमजी कॉमेट ईवी रही, जिसने 10,292 यूनिट्स की बिक्री की, जो 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। वहीं, एमजी हेक्टर के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा, जिसकी बिक्री 42 प्रतिशत घटकर 9,003 यूनिट्स रही। एमजी जेडएस ईवी की बिक्री में भी 21 प्रतिशत की गिरावट आई, और यह 5,579 यूनिट्स के साथ चौथे स्थान पर रही। एमजी एस्टर और एमजी ग्लॉस्टर ने क्रमशः 1,212 और 119 यूनिट्स की बिक्री के साथ बड़ी गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर, एमजी मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 72,925 नए ग्राहक जोड़े।एमजी विंडसर की सफलता के पीछे इसका आधुनिक डिजाइन, बेहतरीन पावरट्रेन और लंबी रेंज है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट को हब बनाने की तैयारी सरकार के साथ चल रही बात

सब कुछ ठीक रहा तो यह हब सर्दियों तक हो सकता है चालू

नई दिल्ली।

अडाणी द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईएएल) अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के लिए इसे 'हब और स्पोक' डेस्टिनेशन के तौर पर चलाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक बातचीत काफी आगे बढ़ गई। इस कदम से एनएमआईएएल को नागरिक विमानन मंत्रालय के साथ तय किए गए अपने विकास लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। एनएमआईएएल का लक्ष्य वर्ष 2026-27 जो उसके संचालन का पहला पूरा साल होगा, उस में 1.1 करोड़ यात्रियों को सेवा मुहैया कराना है। उसका इरादा इसे वित्त वर्ष 2028 तक बढ़ाकर 2 करोड़ तक पहुंचाना है, जो दुनिया के किसी भी हवाई अड्डे के लिए सबसे तेज बढ़ोतरी दर में से एक है। इस तरह से यह हवाई अड्डा पहले ही चरण में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर लेना चाहता है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो यह हब इस सर्दियों तक चालू हो सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिल्ली को देश के पहले हब एयरपोर्ट के तौर पर पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके 1 जून से शुरू होने की उम्मीद है। यह राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक देश को भारतीय यात्रियों के लिए और 2047 तक पूरी दुनिया के लिए पसंदीदा एविएशन हब बनाना है। बेंगलूरु और यहां तक कि राजकोट जैसे कुछ अन्य हवाई अड्डों को भी हब बनाने पर विचार किया जा रहा है। योजना का मकसद उस 'ट्रांसफर ट्रैफिक' को वापस लाना है, जो अब तक दुबई, दोहा, लंदन, फ्रैंकफर्ट जैसे वैश्विक केंद्रों का इस्तेमाल करता रहा है। इसके बजाय वे देश के ही हवाई अड्डों का इस्तेमाल करेंगे। सरकार के कराए अध्ययन से पता चला है कि इस पूरी कवायद का उद्देश्य मौजूदा रुझान को बदलना है, जिसके तहत भारत से जाने वाले 35 फीसदी अंतरराष्ट्रीय यात्री दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे विदेशी शहरों से होकर गुजरते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'हब ऐंड स्पोक' मॉडल देश में छोटे शहरों

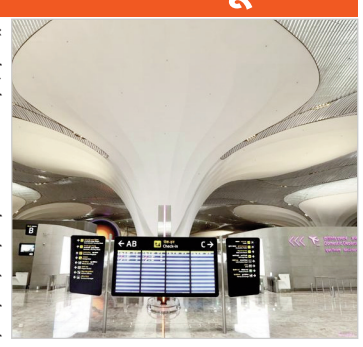

से यात्रियों को हब एयरपोर्ट तक पहुंचने और वहां से आसानी से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ने में सक्षम बनाता है। इसके लिए उन्हें अपना सामान दोबारा लेने, उसे फिर से चेक-इन करने या कस्टम्स से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। जब वे देश वापस आते हैं, तो यह प्रक्रिया उलट जाती है।

एशिया को ऑटो इंडस्ट्री का बादशाह बनाने में चीन जापान और भारत का बड़ा योगदान

साल 2025 में वैश्विक वाहन उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़कर 9.64 करोड़ हो गया

नई दिल्ली।

साल 2025 में वैश्विक स्तर पर वाहनों की वृद्धि दर कहीं ज्यादा रही तो कहीं कम, लेकिन इसमें एशिया-प्रशांत विस्तार के मुख्य संचालक के तौर पर उभरा है। यह कहना है इंटरनैशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ मोटर व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के अध्यक्ष शैलेश चंद्र का। बीजिंग मोटर शो में बातचीत में उन्होंने यह जानकारी दी। हालांकि साल 2025 में वैश्विक वाहन उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़कर 9.64 करोड़ हो गया और बिक्री 4.7 फीसदी बढ़कर 9.98 करोड़ तक पहुंच गई, लेकिन चंद्र ने इस बात पर जोर दिया कि यह रफ्तार हर जगह एक जैसी नहीं रही। एशिया-प्रशांत ने उत्पादन में 7.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ इस तेजी का नेतृत्व किया जबकि यूरोप और अमेरिका में क्रमशः 0.8 फीसदी और 2.1 फीसदी की गिरावट आई। इससे जाहिर होता है कि वैश्विक वृद्धि एक साथ होने वाले सुधार के बजाय 'अलग-अलग' थी। रिपोर्ट के मुताबिक एशिया-प्रशांत ने अब उद्योग के केंद्र के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वैश्विक वाहन उत्पादन में इस क्षेत्र की 61 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी है। इसमें चीन, जापान और भारत का बड़ा योगदान है। यह क्षेत्र मांग के मामले में भी आगे हैं, जहां वाहनों की बिक्री 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है और विनिर्माण के सबसे बड़े हब और खपत के बाजार, दोनों ही तौर पर इसकी दोहरी भूमिका और मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक वाहन उद्योग तकनीकी बदलावों, भू-राजनीतिक दबावों और अलग-अलग सरकारों की नीतियों के कारण नए सिरे से आकार ले रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माता कुछ बाजारों में धीमी वृद्धि, अन्य बाजारों में कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा व्यापारिक दबावों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, खर्च उठाने की क्षमता, ऊर्जा की कीमतों और इलेक्ट्रिफिकेशन की रफ्तार से जुड़ी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

खाताधारक की मृत्यु के बाद बैंक को डेथ सर्टिफिकेट देना जरुरी तभी निकलेगा पैसा

ओडिशा में जितु ने मृत बहन के कंकाल को बतौर सबूत बैंक को दिखाने पहुंचा

क्योंझर।

ओडिशा के क्योंझर जिले एक व्यक्ति अपनी मृत बहन के कंकाल के अवशेष कब्र से निकालकर बैंक पहुंचा, क्योंकि उसके खाते से पैसे निकालने के अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया गया था। यह घटना पटना पुलिस थाना क्षेत्र के मल्लिपाशी गांव की है। बैंक ने बहन के नाम पर जमा 19,300 रुपए देने से इनकार कर दिया क्योंकि डेथ सर्टिफिकेट नहीं था। निराश और अशिक्षित जितु ने हड्डियों को ही मौत का सबूत मानकर बैंक को दिखाने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस के समझाने पर उन्होंने हड्डियां फिर से दफन कर दीं और डेथ सर्टिफिकेट बनाने की सलाह दी। जीतू मुंडा कई बार बैंक जाकर अपनी मृत बहन के खाते से पैसे निकालने की अनुमति मांग चुका था उसने बैंक को उसकी मौत की जानकारी भी दी, लेकिन कर्मचारियों ने हर बार उसका अनुरोध ठुकरा दिया।

बैंक अधिकारियों का कहना था कि लेनदेन के लिए खाताधारक की खुद मौजूदगी जरूरी है, इसलिए वे पैसे नहीं दे सकते थे। खाता धारक की मौत होने पर बैंक आमतौर पर बिना डेथ सर्टिफिकेट के पैसे नहीं देता है। डेथ सर्टिफिकेट मौत का आधिकारिक प्रमाण होता है, जो स्थानीय नगर निगम, ग्राम पंचायत या स्वास्थ्य विभाग से जारी होता है। बैंक को यह साबित करना पड़ता है कि खाता धारक की वाकई मृत्यु हो चुकी है, ताकि गलत व्यक्ति पैसे न निकाल ले। अगर मृतक ने बैंक में नॉमिनी नामित किया था, तो नॉमिनी को मुख्य रूप से तीन चीजें जमा करनी पड़ती हैं। इसमें डेथ सर्टिफिकेट, क्लेम फॉर्म और अपना पहचान पत्र शामिल होता है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक नॉमिनी को पैसे मिल जाते हैं और बैंक को लीगल हेयर या सक्सेशन सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं पड़ती। नॉमिनी पैसे लीगल हेयर्स की ओर से ट्रस्टी की तरह लेता है। बैंक को दावा मिलने के 15 दिनों के अंदर क्लेम सेटल करना होता है। बिना नॉमिनी के लीगल हेयर्स को डेथ सर्टिफिकेट के अलावा रिलेशनशिप प्रूफ, लीगल हेयर सर्टिफिकेट या सक्सेशन सर्टिफिकेट जमा करना पड़ सकता है 1 हालांकि, आरबीआई के हालिया नियमों के मुताबिक व्यावसायिक बैंकों में 15 लाख रुपए तक के छोटे क्लेम्स के लिए दस्तावेजों में छूट दी गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी से आयी है। इसके अलावा दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में बढ़त से भी बाजार उछला है हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। आज सुबह 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। सुबह 9:23 बजे यह 327.96 अंक बढ़कर 77,214.87 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। आज अदाणी पावर, बजाज फाइनेंस, सेमइंडिया प्रोजेक्ट्स, फेडरल बैंक, फिनो पेमेंट्स बैंक, फोर्स मोटर्स, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, ग्रेन्यूल्स इंडिया, एचईजी, आईआईएफएल फाइनेंस सहित कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आयेंगे जिस पर भी बाजार की नजरें होंगी। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिली हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमशः 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में उछाल देखा गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के परिणामों का इंतजार हो रहा है। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स दोनों के फ्यूचर्स में 0.16 फीसदी की बढ़त रही। वॉल स्ट्रीट के बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में 0.49 फीसदी और 0.90 फीसदी की गिरावट रही।

बढ़ रही है इमेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता - फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानिवतरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अत- सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

करियर उन्मुखी होते हैं पत्राचार पाठ्यक्रम

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप आईआईटी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को अपनाना बिल्कुल न भूलें। इनकी मदद से आप पहली बार में एग्जाम क्लियर कर पाएंगे

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंटस को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हें अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

अहमदाबाद में बेंगलुरु का विजय रथ आज गुजरात रोकना चाहेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुजरात टाईट्स और रायल चैलेंजर बैंगलुरु के बीच अहम मुकाबला आज अहमदाबाद में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के आधे चरण के बाद गुजरात टाइटंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ संघर्ष कर रही है, जबकि आरसीबी शानदार फॉर्म में है और 6 जीत के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

आरसीबी की ताकत- गेंदबाजी का दम – आरसीबी की सफलता में उसके तेज गेंदबाजों की बड़ी भूमिका रही है। भुवनेश्वर कुमार अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं जोश हेजलबुड लगातार सटीक लाइन-लेंथ से दबाव बना रहे हैं। मिडिल ओवर्स में कृणाल पंड्या की विविधता भरी गेंदबाजी विरोधी टीम के लिए चुनौती बन रही है।

गुजरात की चिंता- टॉप ऑर्डर पर निर्भरता – गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी काफी हद तक उसके टॉप ऑर्डर पर निर्भर है। शुभगिन

गिल , साई सुदर्शन और जोस बटलर टीम के लिए लगातार रन बना रहे हैं। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में वाशिंगटन सुंदर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर्स अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

पिछला मुकाबला और घरेलू रिकॉर्ड – दोनों टीमों के बीच हाल ही में खेले गए मैच में आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। वहीं गुजरात अपनी घरेलू पिच पर अब तक ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है और मोटेरा में खेले तीन में से दो मुकाबले हार चुकी है।

खिलाड़ियों पर नजर

आरसीबी के लिए विराट कोहली अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके साथ जैकब बेथेल को ओपनिंग का मौका मिल सकता है, जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में कहा- हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं और हर मैच को अलग मानकर खेल रहे हैं। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि हर मैच में कोई ना कोई खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहा है।

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना सिनेमा जैसा

अनुभवी बल्लेबाज पुजारा ने की जमकर तारीफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी लगातार अपने आक्रामक अंदाज से सुर्खियां बटोर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने महज 16 गेंदों में 43 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जिसने राजस्थान रॉयल्स की जीत की नींव रखी।

पुजारा ने की बड़ी तारीफ – भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को खास बताया। उन्होंने कहा- वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना किसी सिनेमा से कम नहीं है। जिस तरह वह बिना किसी डर के हर गेंदबाज पर हमला करते हैं, वह शानदार है। उन्होंने आगे कहा- सबसे खास बात यह है कि विपक्षी टीम जानती है कि वह आक्रमण करेंगे, फिर भी उन्हें रोक पाना मुश्किल होता है। यही निरंतरता टीम को बढ़त दिलाती है।

पावरप्ले में मैच का रुख बदला – सूर्यवंशी की तेज शुरुआत ने पावरप्ले में ही मैच का रुख राजस्थान की ओर मोड़ दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया, जिससे बाद के बल्लेबाजों को आसानी से लक्ष्य का पीछा करने का मौका मिला।

चहल की शानदार गेंदबाजी – हालांकि मैच के बीच में चहल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजाब को मुकाबले में वापस लाने की कोशिश की। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर रन गति पर लगाम लगाई। पुजारा ने चहल की तारीफ करते हुए कहा- चहल ने जिस तरह अपनी विविधता का इस्तेमाल किया, वह शानदार था। दबाव के बावजूद उन्होंने फ्लाइट और स्पीड में बदलाव जारी रखा, जो टी20 में बेहद अहम है।

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

● यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगमी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में

खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम – मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धियों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एएआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्ष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म – दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्ष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत – पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम रिषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर – पहले हाफ में पंजाब स्ष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकादमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच – इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

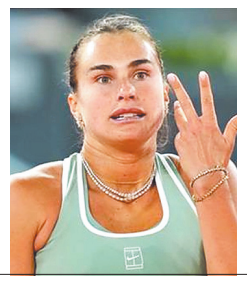

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री – 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट – पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर

बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है।

डब्ल्यूएफआई का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।

विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर

अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशारानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया

गया।

सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

सिंधु ने बाद में कहा, 'यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे।' प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाईं और 11-21, 8-21 से हार गईं।

इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया. विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

दूसरे युगल में त्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम की जोड़ी को 59 मिनट तक चले मुकाबले में लूओ जू मिन और झांग शू जियान से 10-21, 21-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

● ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक बार फिर विवादों घिर गई है. इस बार टीम अपने कप्तान रियान पराग के गलत कारणों से सुर्खियों में आई है. यह दाएं हाथ का बल्लेबाज पहले से ही अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में है, और अब एक और विवाद ने उन पर सबका ध्यान खींच लिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक मैच के दौरान लाइव प्रसारण के एक क्लिप में रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।

यह घटना न्यू-चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में कैमरे में कैद हुई. फैंस ने तुरंत इस पल को पकड़ लिया, और तब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है. हालांकि इस मैच को राजस्थान ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया था, जिसकी वजह से पंजाब को इस सीजन पहली हार का सामना करना पड़ा।

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में नेगेटिव किरदार निभा रही हैं गौरी अग्रवाल

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। 'गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि नेगेटिव किरदार बनने के बाद कीर्ति के इंटेंस फैसलों को समझना और इमोशनल स्तर पर उन्हें स्वीकार करना उनके लिए लगातार चलने वाली प्रक्रिया रही है। कीर्ति जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन चीजों को समझना और इमोशनली सही ठहराना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल के साथ भारत अहलावत राघव का किरदार निभा रहे हैं, जबकि आयुषी खुराना रीत की भूमिका में हैं।

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर रकुल प्रीत ने दी सफाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और एक्टर, प्रोड्यूसर जैकी भगनानी साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। इससे पहले दोनों रिलेशनशिप में भी रहे। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते समझते हैं और प्यार करते हैं। लेकिन जैकी भगनानी के हालिया इंटरव्यू ने फैंस के मन में इनके रिश्ते को लेकर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, जैकी भगनानी ने रकुल के साथ अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम दिया। सिचुएशनशिप का नाम उस रिश्ते को दिया जाता है, जिसे लेकर भविष्य में कोई प्लानिंग कपल नहीं बनाना चाहते हैं। इस पूरे मामले पर अब रकुल ने भी अपना नजरिया रखा है। जानिए, जैकी भगनानी के बयान पर वह क्या बोली हैं?

रकुल प्रीत ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर बढ़ते बवाल को देखते हुए शुक्रवार को रकुल प्रीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं, 'आज हम इस बात पर खूब हंसे कि कैसे एक घंटे लंबी बातचीत में से सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां बन जाती है। मेरा मानना है कि हर बात में संदर्भ मायने रखता है। बारीकियां मायने रखती हैं। हमारी बातचीत इससे बेहतर की हकदार है, उसे सिर्फ क्लिकबेट बनाकर रख दिया गया। शायद अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म उन कहानियों के लिए थोड़ी और जिम्मेदारी लें जो वे बनाते हैं।'

आखिर जैकी भगनानी ने क्या बयान दिया था

बीते दिनों एक इंटरव्यू जैकी भगनानी और रकुल ने दिया था। इसी बातचीत में जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे खास बात यह है कि मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाला देता हूं। मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। इसलिए मुझे अपने रिश्ते में घुटन महसूस नहीं होती है।'

रकुल प्रीत का करियर फ्रंट

रकुल प्रीत के करियर की बात करें तो जल्द ही उनकी एक फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई को रिलीज होगी।

अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल किया फाइनल

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल फाइनल कर लिया है। अब जल्द वो निर्देशक टीनू देसाई के साथ अपने इस नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। अहान ने बड़े ही आराम से इसे साजिद नाडियाडवाला से मांगकर अपने नाम रजिस्टर करवा किया। सुनने में आया है कि अहान ने यह टाइटल निर्माता साजिद नाडियाडवाला से सीधे जाकर मांग लिया। इंडस्ट्री में आमतौर पर ऐसे फैसले अंतरिक चर्चाओं और काफी बातचीत के बाद लिए जाते हैं। मगर अहान ने ऐसा नहीं किया। वो सीधे जाकर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से मिले और टाइटल को लेकर बात की। साजिद पहले इसे किसी और फिल्म में उपयोग करने वाले थे। खबरों के अनुसार वो फिल्म भी अहान शेट्टी की ही थी पर अहान ने साजिद को बताया कि वो इस टाइटल को अपने दूसरे प्रोजेक्ट में उपयोग करना चाहते हैं।

'धूम 4' और 'ब्रह्मास्त्र 2' को लेकर रणबीर ने शुरू की तैयारी

अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' में प्रभु राम की भूमिका से रणबीर कपूर ने अपनी नई झलक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। यह फिल्म इसी साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस बेसब्री से रणबीर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभी रणबीर 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन दोनों फिल्मों के बाद रणबीर किस बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं? इन दोनों रणबीर कपूर 'रामायण भाग 1' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग कर रहे है, जो लगभग अक्तूबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। शूटिंग खत्म होने से पहले ही रणबीर ने अगली फिल्मों की योजना बनाना शुरू कर दिया है। रणबीर संदीप रेड्डी वांगा कि 'एनिमल पार्क' से पहले एक और बड़े प्रोजेक्ट पर करना चाहते हैं, जिसकी शूटिंग 2027 के आखिर में शुरू हो सकती है। एक खबर के अनुसार, रणबीर कई स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। उनमें दो बड़ी फिल्में सबसे मजबूत दावेदार हैं। पहली- अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र 2' और दूसरी यश राज फिल्म्स की 'धूम 4'। रणबीर ने दोनों फिल्मों के मूल आइडिया सुन लिए हैं। दोनों की कहानी उन्हें पसंद आई है। लेकिन वे पूरी लिखित स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। 'धूम 4' शुरुआती स्टेज में है। अभी डायरेक्टर भी फाइनल नहीं हुआ है। 'ब्रह्मास्त्र 2' में कास्टिंग की समस्या आ रही है। दीपिका पादुकोण अमृता का रोल करने वाली थीं, लेकिन दोबारा प्रेगनेंसी की वजह से अब दूसरी अभिनेत्री की तलाश की जा रही है। दरअसल, रणबीर 'रामायण 2' और 'एनिमल पार्क' के बीच के समय में एक बड़ी फिल्म करना चाहते हैं। फिलहाल, 'ब्रह्मास्त्र 2' को थोड़ी ज्यादा प्राथमिकता मिल रही है। हो सकता है कि जून 2026 तक रणबीर अंतिम स्क्रिप्ट पढ़कर अपना फैसला ले लेंगे।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ' 'परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे।

मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी

एक्टिंग के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखने वाली बॉलीवुड अदाकाराओं में अब पत्रलेखा का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म 'टोस्टर' आई है। इसमें उनके पति राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है।

पत्रलेखा कहती हैं कि उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि वह अपनी फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगी। उनकी यह फिल्म एक कंजूस आदमी की कहानी है। बात निकली तो एक मजेदार सवाल ये भी पूछा गया कि राजकुमार राव और उनमें, असल जिंदगी में ज्यादा कंजूस कौन है? 36 साल की नई-नवेली मां ने इसका भी जवाब दिया।

मैं 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहती थी

पत्रलेखा 'टोस्टर' के बनने और प्रोड्यूसर बनने के बारे में बताती हैं, 'हम दोनों (राज और वह) साल 2017 से ही प्रोडयूसर बनना चाहते थे, मगर बीच में कोविड महामारी आ गई तो वह नहीं हो पाया, लेकिन मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी, क्योंकि कैमरे के पीछे भी मैं जो करूंगी अच्छे से करूंगी।' मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।

प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है

बकौल पत्रलेखा, 'मेरी जिंदगी का मकसद ही यह है कि मैं शायद 10 चीजें न करूं, एक ही चीज करूं, मगर उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी तो मैंने सोच रखा था कि मैं कैमरे के आगे नहीं रहूंगी। सच कहूं तो मुझे इस जर्नी में बहुत मजा आया। बतौर एक्टर हमें पता नहीं होता कि फिल्म बनाने में कितना काम होता है। प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है। मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। मुझे लगता है कि अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।'

राजकुमार नहीं, मैं हूं कंजूस

'टोस्टर' में राजकुमार राव एक महा कंजूस पति की भूमिका में हैं। क्या असल जिंदगी में भी वह ऐसे हैं? इस सवाल के जवाब में पत्रलेखा पूरी ईमानदारी और बेबाकी से कहती हैं, 'नहीं, राज बिलकुल कंजूस नहीं है। हम दोनों में से मैं कंजूस हूं।' वह आगे हंसते हुए बताती हैं, 'मैंने तो ऐसा भी किया है कि फिल्म के डायरेक्टर विवेक, जो मेरे बचपन के दोस्त हैं, मैं उसको बोलती थी कि मुझे खाना खिलाने लेकर चल और जब बिल देने की बारी आती थी तो मैं उसको बिल पकड़ाकर चली जाती थी।' पत्रलेखा और राजकुमार राव पहले दोस्त थे। फिर लाइफ पार्टनर बने। दोनों साल 2010 से ही साथ हैं। जबकि 15 नवंबर 2021 को दोनों ने पति-पत्नी के रूप में जीवन की नई पारी शुरू की। अब उनकी जिंदगी में बेटी पार्वती पॉल राव भी है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि बेटी का जन्म उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर 15 नवंबर 2025 को हुआ। क्या माता-पिता बनने के बाद दोनों के आपसी रिश्ते बदले हैं। इस पर पत्रलेखा कहती हैं, 'नहीं। पैरेंट्स बनने के बाद भी राज और मैं बिल्कुल नहीं बदले हैं। हम पहले दिन से दोस्त हैं और आज भी दोस्त है। हमारे रिलेशनशिप के चलने की वजह भी यही है कि हम बहुत अच्छे दोस्त हैं।'

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था।

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट: सिर्फ 5-7 दिनों का कच्चा तेल शेष, पेट्रोलियम मंत्री परवेज मलिक ने कबूली लाचारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने चेताया है कि देश के पास अब केवल पांच से सात दिनों का कच्चा तेल शेष बचा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और लाल सागर में उपजे संकट ने पाकिस्तान की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में तेल की नई खेप नहीं पहुंचती है, तो देश में परिवहन और उद्योग पूरी तरह ठप हो सकते हैं। मंत्री मलिक ने भारत की रणनीतिक क्षमता का जिक्र करते हुए अपनी बेबसी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास कोई ठोस ऑयल रिजर्व नहीं है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि हम भारत की तरह सक्षम नहीं हैं। भारत एक सिग्नेचर करके अपने रिजर्व से 60-70 दिनों का तेल रिलीज कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि यहां बाहरी झटकों को सहने की रत्ती भर भी क्षमता नहीं बची है। पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि देश के पास एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं है। उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को इस संकट की मुख्य वजह बताया। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को तत्काल एक प्रभावी ऊर्जा सुरक्षा योजना की आवश्यकता है, अन्यथा देश पूरी तरह ठप हो सकता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने पाकिस्तान की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने साफ कर दिया है कि वे रूसी और ईरानी तेल पर दी गई छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएंगे। बेसेंट ने कहा कि ईरान के लिए अब कोई रियायत नहीं होगी। अमेरिका ने प्रभावी रूप से नाकाबंदी कर रखी है, जिससे ईरानी तेल की आपूर्ति रुक गई है। रूस से तेल खरीद पर मिलने वाली छूट भी खत्म होने वाली है। इन वैश्विक प्रतिबंधों और घरेलू भंडारण की कमी ने पाकिस्तान को दोतरफा संकट में फंसा दिया है। कच्चे तेल की कमी से रिफाइनरियों के बंद होने का खतरा है। यदि जल्द ही आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो पाकिस्तान में परिवहन और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है। सरकार अब भंडारण क्षमता को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण यह राह बेहद कठिन नजर आ रही है।

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता, अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारित राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे।बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारित जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी।इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार,

अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।' जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है।

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार : जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन : एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई।

गहराई से चल रही जांच : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या आरोपी को किसी बाहरी व्यक्ति या संगठन की मदद मिली थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध के होटल के कमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और यात्रा इतिहास से अतिरिक्त सबूतों की समीक्षा की जा रही है। आरोपी की इस काम में किसी ने मदद की थी या नहीं, उसकी भी जांच की जा रही है।

रुबियो ने कहा- ईरान का नया शांति प्रस्ताव उम्मीद से बेहतर, परमाणु हथियार क्षमता पर क्या बोले?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि तेहरान की ओर से हाल में भेजा गया नया प्रस्ताव अमेरिका की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे बड़ी शर्त यही होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से जो नया ढांचा पेश किया गया है, उसमें पहले चरण में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सुझाव शामिल है। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर विस्तृत बातचीत को आगे बढ़ाने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारी फिलहाल इस चरणबद्ध प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्वीकार होगा या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समझौता नहीं होता है तो उसके परिणाम क्या होंगे, इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। रुबियो ने कहा कि परमाणु मुद्दा ही वह वजह है जिसके कारण यह पूरा संकट शुरू हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम आज भी क्षेत्रीय तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान फिलहाल समय खरीदने की रणनीति पर काम कर रहा है। रुबियो के मुताबिक, ईरान के वार्ताकार बेहद अनुभवी हैं, इसलिए अमेरिका को ऐसा समझौता चाहिए जो निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करे कि ईरान किसी भी समय तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे न बढ़ सके।अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि ईरान के भीतर आंतरिक सत्ता संघर्ष और निर्णय प्रक्रिया भी बातचीत को जटिल बना रही है।

ट्रंप के जीत वाले दावे पर ईरान ने लेगो स्टाइल में लिए मजे, सोशल मीडिया पर छिड़ा मीम युद्ध!

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। यह मोर्चा किसी सीमा पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर सक्रिय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही सैन्य तल्खी अब मीम युद्ध में बदल गई है। इस बार ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधने के लिए लेगो-स्टाइल एआई मीम का सहारा लिया है। आइए, जानते हैं कि क्या है पूरा मामला। घाना स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में डोनाल्ड ट्रंप को सोते हुए दिखाया गया है। वीडियो में उनके सलाहकार आपस में बहस कर रहे हैं। सलाहकार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को जगाया जाए या नहीं। जब एक सहायक उन्हें जगाने का सुझाव देता है, तो दूसरा जवाब देता है कि उन्हें परेशान न किया जाए। दूसरा सहायक कहता है कि राष्ट्रपति अभी ईरान को हराने का सपना देख रहे हैं। इस वीडियो के साथ एक तीखा कैप्शन भी लिखा गया है। इसमें लिखा है, 'वह सपना देख रहे होंगे कि उन्होंने ईरान को हरा दिया है। उन्हें सोने दें।' घाना स्थित ईरानी दूतावास टोगो और लाइबेरिया के लिए भी मान्यता प्राप्त है। इस दूतावास के आधिकारिक अकाउंट से पोस्ट किया गया यह वीडियो अब जंगल की आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गया है।

28 फरवरी 2026 को शुरू हुई सैन्य झड़पें अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुकी हैं। एक तरफ ट्रंप प्रशासन लगातार ईरान पर बड़ी सैन्य जीत के दावे कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, ईरान शब्दों और डिजिटल तस्वीरों के जरिए इस नैरेटिव को काटने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर जनता की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं काफी बंटी हुई हैं। कुछ लोग इसे मजा के तौर पर देख रहे हैं तो कुछ लोगों ने ऐतराज भी जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आप लोग असल में यह नहीं समझते कि अमेरिका कैसे काम करता है। आपका युद्ध राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं है। वह तो सिस्टम का एक छोटा हिस्सा हैं जो थोड़े मुखर हैं। कार्टून बनाकर चमत्कार की उम्मीद करना कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।' बताते चलें कि जमीन पर सैन्य स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है, लेकिन डिजिटल दुनिया में यह जंग हर दिन नई शक्ल ले रही है।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल?

हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम, एफबीआई चीफ का नहीं था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल।

अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की

वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

हमलावर ने बनाए थे कड़े नियम

बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था 'लॉ एन्फोर्समेंट' यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची।

मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासे

कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, 'प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।' चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था।

25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम

यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा-तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रक्षा मंत्री ने किर्गिस्तान के विजय चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को बिश्केक के विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो नाजी जर्मनी पर विजय को समर्पित एक स्मारक है।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स के एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी यात्रा के दौरान किर्गिस्तान के बिश्केक में विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की।' इसके बाद में वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

आतंकवाद पर भारत का कड़ा रुख

रक्षा मंत्री सोमवार को एससीओ बैठक के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंचे। बिश्केक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा,' 27-28 अप्रैल 2026 को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिश्केक पहुंचने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी। 27 अप्रैल 2026

को मानस हवाई अड्डे पर राजदूत सिंह द्वारा स्वागत किया गया।' राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा,' किर्गिस्तान के लिए रवाना होने से पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि वह विश्व में व्याप्त मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे और आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के निरंतर रुख से भी अवगत कराएंगे। मंगलवार को बिश्केक में होने वालें बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा और सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंत्री अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।मंत्रालय ने उल्लेख किया 'इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हो रही है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि

पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं।

लेबनान में इस्राइली हमलों में चार की मौत; यूएन महासचिव ने की होर्मुज को तुरंत खोलने की अपील

लेबनान, एजेंसी। ईरान ने प्रस्ताव में यह भी शामिल है कि इस्राइल से जुड़े या उसके स्वामित्व वाले जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अन्य शत्रु देशों और उनसे जुड़े जहाजों पर भी सख्त प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। ईरान का कहना है कि जिन देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए या विदेशी बैंकों में उसके धन को रोककर आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, उनसे जुड़े जहाजों पर लगाए गए टोल के जरिए उस नुकसान की भरपाई की जाएगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की तैयारी : ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। खास बात यह है कि यह शुल्क डॉलर या किसी विदेशी मुद्रा में नहीं, बल्कि ईरानी करेंसी रियाल में लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी के अनुसार, इस संबंध में 11 बिंदुओं वाला प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे समिति से मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे संसद के मुख्य सदन में पेश किया जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून का रूप ले सकता है।

ईरान ने रूस के साथ बातचीत को बताया सकारात्मक : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे

समय में रूस के साथ हुई बातचीत बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हाल की घटनाएं यह दिखाती हैं कि ईरान और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। अराघची ने कहा कि दोनों देशों के संबंध आगे बढ़ रहे हैं और ईरान रूस के समर्थन को महत्व देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की होर्मुज को खोलने की अपील : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अपील की है। सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि जहाजों को बिना किसी टैक्स या भेदभाव के गुजरने देना चाहिए, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था सांस ले सके। मार्च से इस रास्ते के बंद होने से दुनिया के तेल, गैस और खाद की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इसे कोविड के बाद सबसे बड़ा आर्थिक झटका बताया और सभी पक्षों से बातचीत और संयम बरतने का आग्रह किया।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इस्राइली हमले जारी : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला के रॉकेट और ड्रोन को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि इस खतरे को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी है। नेतन्याहू के मुताबिक, हिजबुल्ला के 122 एमएम रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए तकनीक और सेना का इस्तेमाल करना होगा। सोमवार को इस्राइली सेना ने लेबनान की बेका घाटी और दक्षिणी इलाकों में हिजबुल्ला के 20 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। इनमें हथियारों के गोदाम और रॉकेट लॉन्च पैड शामिल हैं। इन हमलों में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। युद्धविराम के बावजूद इस्राइल का कहना है कि वह किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए हमला करने का अधिकार रखता है।

48 घंटों में तीसरी बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अराघची : ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार को रूस से सीधे इस्लामाबाद पहुंचे। यह यात्रा अमेरिका के साथ संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रहे राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है। प्रेस टीवी के अनुसार, पिछले 48 घंटों में यह उनकी पाकिस्तान की तीसरी यात्रा है।

अराघची की यह नवीनतम यात्रा रूस और ओमान सहित कई देशों में उच्च स्तरीय मुलाकातों की श्रृंखला के बाद हुई है। इससे पहले, अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की, जहां द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। अराघची ने बताया कि पुतिन के साथ उनकी बैठक बहुत अच्छी रही। यह बातचीत डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चली। इसमें अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता और युद्ध पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और क्षेत्र के ताजा हालातों पर भी विचार साझा किए। अराघची ने कहा कि बैठक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अच्छे सुझाव सामने आए। यह मुलाकात अराघची के तीन देशों के राजनयिक दौरे का हिस्सा थी। रूस आने से पहले उन्होंने पाकिस्तान और ओमान की यात्रा भी की थी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.